

साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए केएल राहुल बनाये गये कप्तान

नई दिल्ली: साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान 23 नवंबर (रविवार) को कर दिया गया. इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल करने जा रहे हैं. नियमित कप्तान शुभमन गिल नेक इंजरी के चलते सेलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं थे, इसी कारण राहुल को ये बड़ी जिम्मेदारी मिली है. भारतीय वनडे टीम में तिलक वर्मा और ऋतुराज गायकवाड़ को भी शामिल किया गया है. साउथ अफ्रीका-ए के खिलाफ बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने वाले ऋतुराज की अरसे बाद वापसी हुई है. जबकि तिलक पहले बार ओडीआई सेटअप में आए हैं. ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत भी स्क्वॉड का हिस्सा हैं. ये दोनों ऑस्ट्रेलियाई दौर पर वनडे टीम का पार्ट नहीं थे. 15 सदस्यीय टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा के रूप में दिग्गज बल्लेबाज मौजूद हैं. भारत-साउथ अफ्रीका के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 30 नवंबर को रांची में होना है. फिर 3 दिसंबर को रायपुर में दूसरा और 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में सीरीज का तीसरा मुकाबला खेला जाएगा. फिर दोनों देशों के बीच 9 दिसंबर से पांच मैचों की टी20 सीरीज भी होनी है, जिसके लिए भारतीय टीम का ऐलान बाद में होगा.

मुख्यमंत्री, हेमन्त सोरेन आज दुमका में झारखंड फ्लाईंग इंस्टीट्यूट का करेंगे उद्घाटन



दुमका: झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज दुमका आएंगे. यहां वे दुमका एयरपोर्ट पर बने झारखंड फ्लाईंग इंस्टीट्यूट का उद्घाटन करेंगे. साथ ही सदर प्रखंड के आसनसोल पंचायत में सेवा अधिकार सप्ताह कार्यक्रम में भी भाग लेंगे. मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा की जा रही तैयारियां अंतिम चरण में है. हवाई अड्डे पर ही विशाल पंडाल बनाया गया है. कार्यक्रम स्थल के चारों ओर राज्य सरकार के द्वारा चलाए जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित होर्डिंग्स और पोस्टर लगाए गए हैं. सूबे के मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर दुमका उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने जानकारी दी. डीसी ने बताया कि एकदिवसीय दौर पर सोमवार को सीएम का आगमन हो रहा है. वे फ्लाईंग इंस्टीट्यूट का उद्घाटन करेंगे. इसके साथ ही विकास की कई योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे. शिलान्यास और उद्घाटन का कार्यक्रम हवाई अड्डे से ही ऑनलाइन किया जाएगा. वहीं सीएम प्रोग्राम को लेकर सुरक्षा के भी यहां व्यापक इंतजाम किए गए हैं.

दुमका के हंसडीहा थाना क्षेत्र में एक ही परिवार के 4 सदस्य के शव बरामद हत्या या आत्महत्या जांच में जुटी पुलिस

दुमका: सूबे की उपराजधानी दुमका के हंसडीहा थाना क्षेत्र अंतर्गत बरदेही गांव में एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव बरामद होने से गांव में सनसनी फैल गई है। घटना बीती देर रात की बताई जा रही है। घर के अंदर महिला और दो बच्चों के शव मिले हैं, जबकि घर के बाहर खेत में पति का शव पाया गया। स्थानीय ग्रामीणों ने खेत में शव देखकर इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद पता चला कि घर के अंदर भी तीन और शव पड़े हैं। महिला और दोनों बच्चों के गले में रस्सी बंधी हुई थी। सूचना मिलते ही हंसडीहा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतकों की शिनाख्त पति बिरेंद्र मांझी (उम्र करीब 32 वर्ष), पत्नी आरती कुमारी (उम्र करीब 28 वर्ष) और दो मासूम बच्चों रोही कुमारी (5 वर्ष) व विराज कुमार (3 वर्ष) के तौर पर की गई है। प्राथमिक जांच के अनुसार बिरेंद्र ने पहले पत्नी और दोनों बच्चों को रस्सी से गला घोटकर मार दिया, फिर खुद पेड़ पर फांसी लगा ली। मिली जानकारी के अनुसार आरती कुमारी कुछ दिनों से अपने मायके पालोजेरी में थीं। शनिवार को ही बिरेंद्र उन्हें और बच्चों को लेकर घर लौटे थे। रविवार सुबह ग्रामीणों ने खेत में बिरेंद्र का शव देखा, फिर घर के अंदर तीन और शव मिले। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस परिवार के अन्य सदस्यों और ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है। हत्या और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए हर पहलू की जांच की जा रही है। मृतक के ससुराल पक्षों ने जानकारी दी कि मृतक के पुत्री के दिल में छेद है, जिसका इलाज लड़की के नाना-नानी ही करा रहे थे कल नेवान पर्व को लेकर वह अपनी पत्नी और बच्चों को लेकर अपने घर बरदेही वापस आया था।

एसआईआर कोई सुधार नहीं बल्कि थोपा गया जुल्म : राहुल

नई दिल्ली: वोटर लिस्ट रिविजन (SIR) पर राहुल गांधी बुरी तरह से बिफर पड़े। उन्होंने कहा कि एसआईआर कोई सुधार नहीं बल्कि थोपा गया जुल्म है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में ये बात कही। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने ऐसा सिस्टम बनाया है जिससे वोटर थक हार जाए और वोट चोरी बिना रोक-टोक जारी रहे।

तीन हफ्तों में 16 बीएलओ की गई जान : राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में बीएलओ की खुदकुशी का मुद्दा भी उठाया। राहुल गांधी ने लिखा-स्कफ़ के नाम पर देश भर में अफरा-तफरी मचा रखी है - नतीजा? तीन हफ्तों में 16 बीएलओ की जान चली गई। हार्ट अटैक, तनाव, आत्महत्या - एसआईआर कोई सुधार नहीं, थोपा गया जुल्म है।

उन्होंने एसआईआर के जरिए वोट चोरी का आरोप लगाते हुए उन्होंने आगे लिखा- इसीआई ने ऐसा सिस्टम बनाया है जिसमें नागरिकों को खुद को तलाशने के लिए 22 साल पुरानी मतदाता सूची के हजारों स्कैन पन्ने पलटने पड़े। मकसद साफ है - सही मतदाता थककर हार जाए, और वोट चोरी बिना रोक-टोक जारी रहे।

कागजों का जंगल खड़ा करने पर अड़ा इसीआई : राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी सवाल उठाया। उन्होंने लिखा-भारत दुनिया के लिए अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर बनाता है, मगर भारत का चुनाव आयोग आज भी कागजों का जंगल खड़ा करने पर ही अड़ा है। अगर नीयत साफ होती तो लिस्ट डिजिटल, सर्चबल और मशीन-रीडेबल होती - और एक 30 दिन की हड़बड़ी में अंधाधुंध काम ठेलने के बजाय उचित समय ले कर पारदर्शिता और जवाबदेही पर ध्यान देता।

एसआईआर एक सोची-समझी चाल : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आगे लिखा-' स्कफ़ एक सोची-समझी चाल है - जहां नागरिकों को परेशान किया जा रहा है और BLOs की अनावश्यक दबाव से मौतों की कॉलैटरल डैमेज मान कर अनदेखा कर दिया है। यह नाकामी नहीं, षड़यंत्र है - सत्ता की रक्षा में लोकतंत्र की बलि है।'



प्रशिक्षण पाओ, हवाई जहाज उड़ाओ

युवाओं आगे आओ, अपने सपने को पंख लगाओ

झारखण्ड फ्लाईंग इंस्टीट्यूट, दुमका

(APPROVED BY DGCA GOVT. OF INDIA)

का उद्घाटन

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री नलिन सोरेन
माननीय सांसद, दुमका

श्री विजय कुमार हांसदा
माननीय सांसद, राजमहल

श्री निशिकांत दुबे
माननीय सांसद, गोड्डा

सम्मानित अतिथि

श्री बसंत सोरेन
माननीय विधायक, दुमका

श्री प्रदीप यादव
माननीय विधायक, पोड़ैयाहाट

श्री हेमलाल मुर्मू
माननीय विधायक, लिट्टीपाड़ा

श्री देवेन्द्र कुंवर
माननीय विधायक, जरमुण्डी

डॉ. लुईस मराण्डी
माननीय विधायक, जामा

श्री आलोक कुमार सोरेन
माननीय विधायक, शिकारीपाड़ा

श्रीमती जॉयस बेसरा

माननीय अध्यक्ष, जिला परिषद, दुमका

मुख्य बातें:

- इस संस्थान में प्रति वर्ष 30 युवाओं को **Commercial Pilot** का प्रशिक्षण दिया जाएगा
- राज्य के आरक्षित वर्ग के 15 प्रशिक्षुओं को पूर्णतः **निःशुल्क प्रशिक्षण** मिलेगा

दिनांक: 24 नवंबर 2025 | समय: अपराह्न 12:30 बजे
स्थान: दुमका हवाई अड्डा, दुमका

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

ओ आर जी आई नई दिल्ली की टीम द्वारा जनगणना 2027 के पूर्व परीक्षण हेतु चयनित प्रखंड का दौरा



गुमला: कुमारी नेहा,पर्यवेक्षकओ आर जी आई नई दिल्ली द्वारा जनगणना 2027 के पूर्व परीक्षण हेतु चयनित प्रखंड गुमला में ग्राम - बंगरु मकानसूचीकरण ब्लाक संख्या- 50 एवं ग्राम- पुगु मकानसूचीकरण ब्लाक संख्या 45- का प्री टेस्ट जनगणना कार्य 2027 संबंधित निरीक्षण किया गया। उन्होंने जनगणना कार्य की प्रगति की समीक्षा की और पर्यवेक्षको तथा प्रगणकों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर श्री राम भास्कर द्विवेदी, सहायक निदेशक, माधुरी बेक जिला सांख्यिकी पदाधिकारी गुमला, राजा शंकर ठाकुर, SIG-II एवं संजीव कुमार मांझी एस आई जी -11के साथ चार्ज के जनगणना कोषांग के अधिकारी भी उपस्थित रहे साथ ही कुमारी नेहा ,पर्यवेक्षक के द्वारा चार्ज जनगणना कोषांग का भी दौरा किया गया एवं सी एम एम एस पोर्टल से संबंधित दिशा निर्देश भी दिया गया।

निदेशक, राज्य बाल संरक्षण संस्था एवं यूनिसेफ टीम द्वारा संप्रेक्षण गृह एवं बालिका गृह का निरीक्षण



गुमला: झारखंड राज्य बाल संरक्षण संस्था के निदेशक विजय कुमार सिन्हा एवं यूनिसेफ की कंसल्टेंट देविका रानी साहू ने आज गुमला जिले में संचालित संप्रेक्षण गृह एवं बालिका गृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली तथा भोजन की गुणवत्ता की जाँच की। टीम ने बच्चों से बातचीत करते हुए उनकी स्थिति एवं आवश्यकताओं को जाना और मौके पर उपस्थित सहायक निदेशक तथा जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए। निदेशक द्वारा विभागीय योजनाओं की समीक्षा के क्रम में स्पॉन्सरशिप योजना, आफ्टर केयर, फोस्टर केयर, चाइल्ड हेल्थलाइन आदि महत्वपूर्ण योजनाओं का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। निरीक्षण के दौरान स्पॉन्सरशिप योजना के लाभुकों का भौतिक सत्यापन कराने का निर्देश दिया गया। टीम ने बाल देखरेख संस्थाओं में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान सहायक निदेशक ललन कुमार रजक, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी अमर कुमार एवं अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

सोनाहाटू में सहायक शिक्षक की बैठक

सोनाहाटू - सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक) संघ सोनाहाटू इकाई की बैठक रविवार को राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय बाजार टांडु के प्रांगण में हुई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष पुरन महली ने की। बैठक में कई निर्णय लिया गया। बैठक में अभी पारा शिक्षक को मौजूद रहने की आदेश दिया गया। बैठक में कहा गया कि 31 दिसंबर को संघ के अध्यक्ष पुरन महली सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इसलिए 7 दिसंबर को अगली बैठक में संघ का पुर्नगठन किया जाएगा। मौके पर संघ के सचिव अनिल कुमार महतो, महेंद्र नाथ वर्मा, राजकुमार महतो, आशिष कुमार सिंह, गंगाधर महली, महादेव महतो, रतन पांडेय, विमल कुमार चौधरी, परीक्षित महतो, हीरा लाल सिंह मुंडा, पूर्ण मोहन सिंह मुंडा , कमला देवी, बसंती देवी, जलेश्वरी देवी, मालती देवी, उषा देवी आदि मौजूद थे।

आपकी योजना-आपकी सरकार -आपके द्वार कार्यक्रम के तहत महुआजाडी एवं बिसाहा खटंगा पंचायत में लगा शिविर

मांडर: मांडर प्रखंड में चल रहे आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत मांडर प्रखंड के महुआजाडी एवं विशाहाखटंगा पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 100०1 आवेदन प्राप्त हुए, शिविर के दौरान ग्रामीणों की कुछ समस्याओं का समाधान ऑन-द स्पोट की गई। जिसमे आय, जाति, आवासीय प्रमाणपत्र से लेकर पेंशन, राशन, मनरेगा, जाँच कार्ड तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े आवेदन शामिल है। जिसमें सर्वजन पेंशन, आव प्रमाण पत्रएवं जाँच कार्ड से संबंधित कुछ लाभुकों को त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। साथ ही परिसंपत्ति का वितरण किया गया, मौके पर प्रखंड सह अंचल पदाधिकारी चंचला कुमारी, 7 प्रखंड प्रमुख फिलियल सहाय्य एक्का, मुखिया स्नेहा एक्का, बी पी ओ गौरव मिश्रा, जे ई आशुतोष कुमार, जे ई संदीप लकड़ा सहित अन्य उपस्थित थे

तीरंदाजी नेशनल चैंपियन बेबी कुमारी का गांव पहुंचने पर भव्य स्वागत

अनाड़ा। जोहा की प्रशिक्षु तीरंदाज बेबी कुमारी का रविवार को उनके गांव पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। तीरंदाज बेबी कुमारी का स्वागत पूर्व मुखिया मोतीराम मुंडा (सहचालक) तथा ग्रामीणों ने पुष्पगुच्छ देकर व माला पहनकर किया। राजादरा निवासी मुनेश्वर सिंह घटवार की पुत्री व बिरसा मुंडा तीरंदाजी केंद्र जोहा की प्रशिक्षु तीरंदाज बेबी कुमारी वाराणसी में आयोजित 6७वें स्कूल नेशनल गेम्स के अंडर 14 ईंडियन राउंड तीरंदाजी बालिका वर्ग में नेशनल चैंपियन बनी है। बेबी की उपलब्धि पर राजाडेरा व जोहा के ग्रामीणों ने गर्व व्यक्त किया और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। मौके पर बेबी के पिता मुनेश्वर सिंह घटवार, कोच रोहित कुमार, महावीर महतो सहित टीम सदस्य सुनीता टूटी, आलोमणी महतो और रचना टूटी आदि उपस्थित थे।

सालहन क्रिकेट टूर्नामेंट की विजेता बनी महेशपुर की टीम

अनाड़ा। सालहन मैदान में चल रहे दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता बागान टोली महेशपुर की टीम बनी है। रविवार को कहेके गए फाइनल मुकाबले में महेशपुर बगान टोली की टीम ने बेड़वारी को 23 रं से पराजित किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए महेशपुर की टीम ने 73 रन बनाए। जबाबी पारी खेलने उठरी बेड़वारी की टीम निर्धारित ओवर में 6 विकेट गंवाकर महलने 50 रन ही बना सकी। मैन ऑफ द मैच बने विजय कुमार और मैन ऑफ द सीरीज विजेता टीम की आदित्य नायक को प्रदान की गई। मुख्य अतिथि मनोज कुमार, विशिष्ट अतिथि रामसाय मुंडा, मजबूल खान और इंदजीन ने विजेता और उपविजेता टीम को पुरस्कृत किया। विजेता टीम को नकद 35 हजार रुपए नकद और टॉफी वही उष विजेता टीम को 25 हजार रुपए नकद और टॉफी प्रदान किया गया। टूर्नामेंट के सफल आयोजन में अध्यक्ष अजय करमाली, सचिव संजय उराव, गोपालसिंह संदीप नायक, संरक्षक रंजीत महतो, आरिफ अंसारी सूरज करमाली आदि की धूमका रहे।

चैनपुर के प्रेम नगर के रहने वाले 52 वर्षीय भीनसू गोप शॉल के सहारे फांसी लगाकर किया आत्महत्या

चैनपुर : चैनपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रेम नगर से एक दुखद घटना सामने आई है, जहाँ 52 वर्षीय भीनसू गोप ने अपने ही घर में शॉल के सहारे फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना के वक्त मृतक घर पर अकेला था। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना का पता शाम करीब 5:०० बजे चला। मृतक की भाभी राधा देवी ने बताया कि भीनसू गोप सुबह दिखाई दिए थे लेकिन उनसे कुछ बात काफ़ी देर तक घर से बाहर नहीं निकले। बुलाने के लिए जब वह उन्हें देखने गई और दरवाजा खोला तो उन्हें फंदे से लटका हुआ पाया। राधा देवी ने बताया कि भीनसू गोप घर में अकेले रहते थे लेकिन उनका खाना-पीना उनके (भाभी) के। घर पर ही होता था। रोज की तरह सुबह उन्हें देखा गया था लेकिन दिन भर बाहर न आने पर उसे बुलाने गए थे। शव को फंदे से लटकता देख पड़जनों ने तुरंत आस-पड़ोस के लोगों को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाया। और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

संत अलोईस कैथोलिक चर्च में क्रिस्त राजा का पर्व धूम धाम से मनाया गया

नवप्रदेश/मांडर : मांडर स्थित संत अलोइस कैथोलिक चर्च मांडर में ख्रीस्त राजा का पर्व धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर संत अलोइस चर्च से एक शोभायात्रा निकाला गया जो ख्रीस्त क्लोनी तक गया, शोभायात्रा में शामिल लोग राजा ख्रीस्त की जय जय ख्रीस्त हमारा राजा है का नारा लगा रहे थे,इस अवसर पर क्रिस्त कॉलोनी में विशेष मिसा अनुष्ठान का आयोजन किया गया मांडर पल्ली के पल्ली पुरोहित फादर बिपिन कंडुलना मिसा पुजा के मुख्य अनुष्ठता थे उन्होंने अपने संदेश में कहा कि ख्रीस्त राजा दुनियाई राजा से भिन्न है हमारा राजा प्रेम का राजा, शांति का राजा, दया और करुणा का राजा है हमारा राजा सेवा कराने नहीं



लेकिन सेवा करने आया े इस अवसर पर जगह जगह पर झोंकियां भी बनाई गई थी,मौके पर फादर जॉन शैलेन्द्र टोप्पो, फादर चोन्हास तिग्गा, फादर सुधीर कर-केट्टा, फादर संजय, सिस्टर सरोज,

सिस्टर शिवानी, सिस्टर मगदली, पेत्रूस खलखो, जुवेल, संदीप कुजूर, कर्मला बरबारा, क्लेमन्सिया, सुनीता, नेली सहित हजारों की संख्या में मशीही विश्वासी उपस्थित थे

27 को बुली महतो की प्रतिमा का अनावरण

सोनाहाटू - आजादी के महानायक स्वतंत्रता सेनानी वीर बुली महतो की आदमकद प्रतिमा का अनावरण

प्रेरणादायी उपलब्धि : प्राचार्या ममता कुमारी बर्नी

पीएचडी धारक, ससुर स्व. डॉ.ललन प्रसाद को दिया श्रेय

नवप्रदेश/चौपारण। चौपारण प्रखंड के लिए आज गर्व का क्षण है। प्रखण्ड के सिंहपुर स्थित डॉ ललन बाबू कस्तूरबा गांधी उच्च विद्यालय के संस्थापक डॉ ललन बाबू की बड़ी बहु प्राचार्या ममता कुमारी ने विज्ञान संकाय के बॉटनी विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रौशन किया है। उनके इस महत्वपूर्ण शोध कार्य ने न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में नई दिशा दी है, बल्कि महिला शिक्षा और सशक्तिकरण का प्रेरणादायी संदेश भी दिया है।ममता कुमारी की इस सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत, निरंतर लगन और वैज्ञानिक दृष्टि का बड़ा योगदान रहा है। साथ ही उनके पति पत्रकार चंदन कुमार का सहयोग और सतत प्रोत्साहन भी उनकी इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण

रहा। दोनों की यह संयुक्त साधना अब चौपारण के लिए मिसाल बन गई है। पीएचडी की उपाधि मिलने की सूचना मिलते ही चौपारणवासियों में हर्ष की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोग, शिक्षा जगत तथा समाज के विभिन्न वर्गों ने ममता कुमारी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि हर उस बेटी व महिला के लिए प्रेरणा है, जो विवाह या पारिवारिक जिम्मेदारियों के बावजूद शिक्षा और करियर को आगे बढ़ाने का सपना देखती हैं।क्षेत्रवासियों का कहना है कि ममता कुमारी ने साबित कर दिया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, परिवार का साथ और सतत प्रयास किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने की कुंजी है। उनकी उपलब्धि चौपारण और पूरे जिले

के लिए गौरव की बात है। वहीं अपनी उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए ममता कुमारी ने कहा कि यह डिग्री केवल मेरी व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि चौपारण की हर उस बेटी और महिला की जीत है जो मुश्किल हालातों में भी अपने सपनों को जीवित रखती हैं। मेरे ससुर स्व.डॉ ललन प्रसाद,सासु माँ लीला देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों, विद्यालय और छात्रों से मिला सम्मान मुझे निरंतर आगे बढ़ने की ताकत देता रहा। उन्होंने आगे कहा कि मेरे ससुर स्वर्गीय डॉ. ललन प्रसाद मेरे शिक्षा मार्ग के सबसे बड़े प्रेरक रहे। उनकी सीख, उनके आदर्श और उनका स्नेह आज भी मुझे हर कठिनाई में मार्गदर्शन देता है। यह उपलब्धि मैं उन्हें समर्पित करती हूँ।

बेहद विनम्र और शालीन व्यक्ति थे हमारे

नवप्रदेश/गुमला। नम आंखों से सैकड़ों लोगों ने स्थानीय गुमला कब्रिस्तान में दिन के ढाई बजे वरिष्ठ अधिवक्ता सह पूर्व अंजुमन इस्लामिया के सदर निजाम चौधरी का सुपुर्द ए खाक किया गया, लगभग 84 वर्षीय अधिवक्ता निजाम चौधरी साहब का इलाज के दौरान रांची में इंतकाल कर गए थे जैसे ही यह खबर गुमला शहर पहुंची भारी संख्या में उनके आवास रजा कॉलनी गुमला में उनके चाहने वाले पहुंचने लगे उनके दोनों बेटा 1,आफताब चौधरी 2,महताब चौधरी गुमला कोर्ट में अधिवक्ता है उनके जनाजे की नमाज आज दिन इतवार को गुमला कब्रिस्तान में मौलाना मुफ्ती काशिम रजा ने

पढ़ाई, पूर्व अंजुमन इस्लामिया के सचिव शहजाद अनवर ने उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हुए कहा है कि अधिवक्ता निजाम चौधरी हमारे पिता तुल्य और अभिभावक के तरह थे उनके साथ अंजुमन इस्लामिया में सेक्रेटरी के तौर पर 3 वर्ष काम करने का मौका मिला है जिसे नहीं भुलाया जा सकता वैसे जनाब चौधरी हमारे अंजुमन इस्लामिया के पूर्व सदर अब्दुल गफ्फार अंसारी ,पूर्व सदर सैयद नुरुल हुदा, पूर्व सदर सलीम खान आदि के साथ बरसों अंजुमन इस्लामिया मदरसा इस्लामिया, मुर्साफिरखाना तथा उर्दु गर्ल्स हाई स्कूल आदि मैं सेवा देते रहे तथा बरसों शांति समिति के सदस्य

कल्लन, आशिक अंसारी ,समीम खान खालिद शाह मोहम्मद फिरोज गुलाम हसनैन समीम वारसी,सलाउद्दीन अंसारी ,समसू जोहा उर्फ बाबर ,मोहम्मद इमिनयाज उर्फ मिनी ,अताउल्लाह अंसारी हाजी फैयाज मास्टर ,सैयद मोहम्मद जावेद ,सैयद जुनुन रैन,आफताब लाडले मोहम्मद लड़न, खुशींद आलम उर्फ पप्पू इरफान अली हाजी आफताब हाजी एहसान हाजी आजाद, मास्टर मंटू इरफान अली हनीफ रब्बानी अरक़ी खान मोहम्मद जुवेर खान अनवर खान पीर मोहम्मद अंसारी नुरुल हुदा नेताजी अहमद मास्टर गुलाम हसनैन हाफिज गुलाम गौश, आदि प्रमुख लोग थे

गारु प्रखंड के मायापुर पंचायत में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

गारु. जिले में चल रहे आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया, शिविर में उपस्थित ग्रामीणों में विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाये। शिविर के दौरान कुछ समस्याओ का सुनकर ऑन द स्पॉट समाधान किया गया. जिसमे आय,जाती प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, पेंशन, राशन कार्ड, मनरेगा जाँच कार्ड, श्रम प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य बीमा एवं मईया सम्मान योजना,सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े आवेदन मौके पर ही प्राप्त हुए। मुख्य अतिथि जोरा देवी ने कहा कि ऐसें जन कल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में लाभ मिल रहा है. कार्यक्रम ने उपस्थित प्रखंड विकास पदाधिकारी अभय कुमार, अंचधिकारी दिनेश मिश्रा, उपप्रमुख रामदास यादव, विधायक प्रतिनिधि मनोज यादव, मायापुर मुखिया सुभाष कुमार सिंह,झामुंगे प्रखंड अध्यक्ष तौकीर मिर्जा, पंचायत सचिव सूरज कुमार, रोजगार सेवक विश्वराजन शर्मा, ग्रामीणी रीमिस बृजिया, सोहन बृजिया, बिनोद बृजिया सहित जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिला खनन, घाघरा अंचल और वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई

नवप्रदेश/गुमला। जिला खनन विभाग,घाघरा अंचल एवं वन विभाग की संयुक्त टीम ने शनिवार को घाघरा प्रखंड के आरंगी गांव में अवैध बालू भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। टीम ने मौके से करीब 6000 घनफीट बालू जब्त करते हुए चार व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह कार्रवाई खान निरीक्षक नीरज कुमार के नेतृत्व में की गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार खान निरीक्षक नीरज कुमार ने घाघरा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज मामले में कहा गया है कि आरंगी गांव में वन भूमि से सटी निजी भूमि पर बिना अनुमति बालू का भंडारण और व्यापार किया जा रहा था। इस संदर्भ में जांच के बाद पाया गया कि संजय और अनिल , दिनेश तथा अनिल अवैध रूप से बालू भंडारण और कारोबार में संलिप्त हैं।खान निरीक्षक ने बताया कि उक्त स्थल पर बालू भंडारण की कोई सरकारी अनुज्ञप्ति या बंदोबस्ती नहीं की गई थी। इस अवैध कारोबार से न केवल सरकारी राजस्व का चोरी हो रही थी बल्कि राष्ट्रीय संपत्ति का भी क्षरण हो रहा था। खान निरीक्षक ने स्पष्ट किया कि बिना पट्टा या अनुज्ञप्ति के बालू या अन्य खनिज पदार्थों का उत्खनन एवं भंडारण करना खान एवं खनिज विकास विनियमन अधिनियम 1957 का उल्लंघन है, जो दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है।संयुक्त अभियान में घाघरा अंचल अधिकारी खाखा सुशील कुमार, खान निरीक्षक नीरज कुमार और वन विभाग के कर्मी शेखर सिंह शामिल थे। टीम ने मौके पर जन्ती सूची तैयार कर बालू भंडारण स्थल को सील कर दिया। कार्रवाई के बाद घाघरा एवं सोमावर्ती इलाके के बालू माफियाओं में अफरा-तफरी और भय का माहौल देखे जा रहा है। प्रशासन ने अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए नियमित निगरानी बढ़ाने की बात कही है।



त्वरित कार्रवाई करते हुए टांडडीह पहुंचकर कुमार चन्दन के घर पर दबिश की। तलाशी में ऐंट पीएम और स्टार गोल्ड अग्नेजी शराब की बड़ी खेप बरामद की गई। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों के बयान पर आसपास के अन्य ठिकानों पर भी

172 पेटी (8,256 पीस) स्टार गोल्ड शराब जब्त किया गया।वही जप्त नकली शराब की अनुमानित कीमत 20 लाख रुपए बताई जा रही है।इसके अलावा नकली शराब तैयार करने में इस्तेमाल होने वाले स्टिकर, सील और ढक्कन भी बरामद किए गए। मौके से स्कॉर्पियो, रिवपट डिजायर, रेंगॉल्ट डैटसन गो प्लस और निसान टेसरो समेत चार वाहन तथा कई कंपनियों के स्मार्टफोन भी जप्त किए गए। इस अवैध नेटवर्क से जुड़े कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें चुनू कुमार (नालंदा, बिहार), कुमार चन्दन (टांडडीह) ,रणविजय कुमार सिंह (इटखोरी), मो.

असलम अंसारी, अरमान अंसारी (इरवा, ओरमांझी) , दीपक कुमार महतो, रौबिन महतो (राहे, रांची) और प्रवीण कुमार महतो (झाबरी, ओरमांझी) शामिल हैं। पुलिस इनसे पूछताछ कर नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है।छापामारी अभियान पुलिस निरीक्षक चन्द्रशेखर कुमार के नेतृत्व में चलाया गया, जिसमें थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी, एसआई रवि रंजन,एसआई दिव्य प्रकाश सिंह, एसआई सुबिन्द्र कुमार राम,एसएसआई बाल्लु कुमार महतो,कैलाश चन्द्र महतो, तकनीकी शाखा, थाना रिजर्व गार्ड एवं चौकीदारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

332 पेटी शराब के साथ आठ गिरफ्तार, चार लगजरी वाहन जप्त

नवप्रदेश/चौपारण। चौपारण पुलिस नकली शराब तस्करी का बड़ा उद्भेदन कर बड़ी सफलता मिली है। इस संबंध में थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने बताया की गुप्त सूचना के आधार पर हजारीबाग पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चौपारण थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई। सूचना मिली थी कि टांडडीह गांव में कुमर चन्दन के घर पर भारी मात्रा में अवैध नकली अग्नेजी शराब का भंडारण किया गया है और छोटी



गाड़ियों के जरिए उसे बिहार भेजने की तैयारी चल रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बरही डीएसपी के निर्देश पर पुलिस निरीक्षक चंद्रशेखर कुमार के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। छापामारी दल ने

त्वरित कार्रवाई करते हुए टांडडीह पहुंचकर कुमार चन्दन के घर पर दबिश की। तलाशी में ऐंट पीएम और स्टार गोल्ड अग्नेजी शराब की बड़ी खेप बरामद की गई। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों के बयान पर आसपास के अन्य ठिकानों पर भी

छापेमारी की गई, जहाँ से अतिरिक्त अवैध शराब मिली। पूरे मामले में चौपारण थाना कांड संख्या 323/25 दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कार्रवाई के दौरान टीम ने कुल 160 पेटी (7,680 पीस) 8 पीएम और

गिरिडीह में कल्पना मुर्मू सोरेन का भव्य स्वागत

‘आपकी योजना-आपकी सरकार’ कार्यक्रम की ओर हुई रवाना

नवप्रदेश संवाददाता

गिरिडीह: रविवार दोपहर गांडेय विधायक और मुख्यमंत्री की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन का आगमन बेहद खास रहा। दोपहर 12 बजे जैसे ही वे नए परिसदन भवन पहुंचीं, वहां पहले से मौजूद कार्यकर्ताओं और नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

इस दौरान मंत्री सुदिव्य कुमार, डीसी रामनिवास यादव, एसपी डॉ. विमल कुमार, झामुमो जिला अध्यक्ष संजय सिंह समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। कल्पना सोरेन के स्वागत में फूल-मालाओं, जयकारों और उत्साह की कोई कमी नहीं दिखी। पूरा परिसर एक उत्सवी माहौल में बदल गया।

अधिकारियों से की चर्चा, फिर कार्यक्रम स्थल के लिए हुई प्रस्थान : नया परिसदन भवन



पहुंचने के बाद कल्पना मुर्मू सोरेन ने कुछ देर पदाधिकारियों और मंत्री सुदिव्य कुमार के साथ बैठक की। क्षेत्रीय विकास, योजनाओं की स्थिति और कार्यक्रमों को लेकर

संक्षिप्त चर्चा के बाद वे आगे के कार्यक्रम के लिए निकल पड़ीं।

स्वास्थ्य जांच पैकेज

इसके बाद कल्पना सोरेन और

मंत्री सुदिव्य कुमार बे ?दोंगा पंचायत में आयोजित द्वाआपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वाररू कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हुए। यह कार्यक्रम

लोगों तक सरकारी योजनाओं को सीधे पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है।

सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद

कल्पना सोरेन के आगमन को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था सख्त और व्यवस्थित रखी थी। नए परिसदन भवन से लेकर बे ?दोंगा पंचायत तक पुलिस बल सक्रिय रहा। एसपी डॉ. विमल कुमार को देखरेख में सुरक्षा टीम पूरी मुस्तैदी से तैनात रही, जिसके कारण पूरा दौरा शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रहा।

कार्यक्रम से ग्रामीणों को बड़ी उम्मीदें

ग्रामीण उम्मीद कर रहे हैं कि इस कार्यक्रम के जरिए उनकी समस्याओं को सुना जाएगा और योजनाओं का लाभ तेजी से मिल सकेगा।

झारखंड मुक्ति मोर्चा सह ग्रीन टाइगर फोर्स का नया कार्यालय स्थापित



नवप्रदेश, बोकारो : झारखंड मुक्ति मोर्चा सह ग्रीन टाइगर फोर्स का कार्यालय बोकारो के सेक्टर-8, सीवान मोड़ स्थित सेंटर मार्केट में विधिवत रूप से स्थापित किया गया। कार्यालय उद्घाटन के दौरान टाइगर फोर्स के अध्यक्ष संजय गागराई ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि संगठन की जड़ें तब ही मजबूत होंगी जब अधिक से अधिक युवा इससे जुड़ें। इसी उद्देश्य से युवाओं को जोड़ने और उन्हें सक्रिय भूमिका देने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। युवाओं को स्वरोजगार से भी जोड़ने की जरूरत है। अध्यक्ष ने

कहा कि ग्रीन टाइगर फोर्स पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक न्याय तथा जनझुसमस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। आने वाले समय में संगठन गांवझगांव तक अपने प्रशिक्षित सदस्यों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाएगा। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने भी संगठन विस्तार, जनसंपर्क और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर अपने सुझाव दिए। इस अवसर पर सुग लामुरी, नीरज लामुरी, सदिय सदीप दादेल, सुशील सिंह, विरू मुंडा, विवेक मांझी, मोनु कुमार, पिंषू सिंह, रवि कुमार, सहजाद खान समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अभाविप गिरिडीह नगर इकाई ने मनाई जे.सी. बोस की पुण्यतिथि, विज्ञान भवन में सुरक्षित अनखुली तिजोरी फिर बनी चर्चा का विषय

नवप्रदेश, गिरिडीह: आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गिरिडीह नगर इकाई द्वारा महान वैज्ञानिक सर जगदीश चंद्र बोस की पुण्यतिथि मनाई इस दौरान झंडा मैदान चौक जे सी बॉस चौक में स्थित प्रतिमा एवं विज्ञान भवन में स्थित प्रतिमा पर पुष्प अर्पित एवम माल्यार्पण कर पुण्यतिथि मनाई गई।

इस दौरान अभाविप के नगर मंत्री नीरज चौधरी ने बताया कि महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस का नाता हमारे गिरिडीह से गहरा रहा है अपने जीवन का अंतिम सास उन्होंने गिरिडीह की ही भूमि पर लिये थे। उनका आज भी गिरिडीह में मकान है जिस मकान में उन्होंने अंतिम सांस लिया था उनके मकान में आज भी उनकी वह तिजोरी मौजूद है जिसे आज तक खोला नहीं गया है जेसी बोस के मकान को अब विज्ञान भवन बना दिया गया है इसी में वो तिजोरी रखी है दो बार इसे खोलने का कार्यक्रम



जिला प्रशासन ने निर्धारित किया लेकिन दोनों बार मिसाइल मैन और देश के प्रसिद्ध वैज्ञानिक व उस समय के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम आजाद साहब नहीं आ सके नतीजा तिजोरी का रहस्य आज तक बरकरार है गिरिडीह सहित पूरे देश और दुनिया के लोग आज भी जानने को उत्सुक हैं कि आखिर तिजोरी में बंस की क्या निशानी होगी क्या शोध होंगे।

कोई वैसी भी निशानियां होंगी और जानकारियां होंगी जिससे दुनिया को नई दिशा मिलती मगर तकलीफ की बात है कि जिला प्रशासन के साथ ही यहां के चुने हुए

तमाम जनप्रतिनिधियों की लापरवाही का परिणाम है कि यह अलमारी अभी तक खुल नहीं पाया है। तकलीफ तो तब होती है कि आज यहां के लोग इनके बारे में जानते तक नहीं है जरूरत है प्रशासन और यहां के बुद्धिजीवी वर्ग और तमाम जनप्रतिनिधि राजनीतिक दल के नेता लोग इस और अपना ध्यान नही दे रहे है।मौके पे रंजीत राय, आकाश श्रीवास्तव, राहुल बरनवाल, नगर सह मंत्री सदानंद राय, गुलशन वादव, आशीष सिंह, कर्ण यादव, कृष्णा दास, देवदत्त कुमार, हर्ष आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

जैप-4 बोकारो में गरिमा के साथ मनाया गया 63वां स्थापना दिवस



नवप्रदेश, बोकारो: झारखण्ड सशस्त्र पुलिस-4, बोकारो में आज 63वां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर परेड ग्राउंड में आकर्षक परेड का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार पुलिस-4 के समादेश शम्भु कुमार सिंह (भा.पु.से.) ने परेड की सलामी ली एवं परेड का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने कर्तव्य पालन के दौरान शहीद हुए जवानों को पुष्प-गुच्छ अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में बताया कि झारखंड सशस्त्र पुलिस चतुर्थ वाहिनी की स्थापना 23 नवंबर 1962 को बिहार सरकार की अधिसूचना के तहत हुई थी। प्रारंभिक वर्षों में इसका मुख्यालय पटना, जमालपुर एवं आरा में रहा। वर्ष 1970 में मुख्यालय बोकारो स्टील सिटी में स्थापित किया गया, जहां से यह वाहिनी अब तक

कार्यरत है।उन्होंने बताया कि इस वाहिनी का इतिहास गौरवशाली रहा है और जवानों ने सदैव अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन किया है। हाल ही में बिहार विधानसभा चुनाव 2025 एवं झारखंड के घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में शांतिपूर्ण मतदान करने में वाहिनी की भूमिका सराहनीय रही। उत्रावाद प्रभावित क्षेत्रों में कम संसाधनों के बावजूद जवानों द्वारा कठिन परिस्थितियों में भी ड्यूटी निभाना अनुकरणीय है।कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक पतरस बरवा, मो. साजिद जफर, पुलिस एसो., पुलिस मेन्स एसोसिएशन, चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ के पदाधिकारी, राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल तथा झारखंड सशस्त्र पुलिस-4 के लगभग 500 पुलिस अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। साथ ही बोकारो जिले के सम्मानित नागरिकों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

गुरु तेग बहादर सिमरै घर नउ निध आवे धाय

नवप्रदेश संवाददाता

गिरिडीह: हिन्द की चादर कहे जाने वाले सिखों के 9 वें गुरु धन धन श्री गुरु तेग बहादर जी का 350 वां शताब्दी शहीदी दिवस दिवस बहुत ही श्रद्धापूर्वक स्टेशन रोड स्थित गुरुद्वारा में रविवार को गुरुद्वारा गुरु सिंघ सभा प्रबंधन कमिटी की ओर से मनाया गया। इस दौरान गुरुद्वारा के मुख्य ग्रंथी भाई सतनाम सिंह के द्वारा शबद-कीर्तन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने गुरु तेग बहादर सिमरै घर नउ निध आवे धाय...र* शीश दिखार पर सी.. न ऊंरपी समेत कई शबद-कीर्तन प्रस्तुत किए और उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला गया। जिसे सुनकर सात संगत की आंखे नम हो गईं। शहीदी दिवस को लेकर बोते 8 नवंबर से चल रहे सहज पाठ का समापन आज रविवार को हो गया। शहीदी दिवस को लेकर 6 नवंबर से रोजाना गुरुद्वारे में उनकी वाणी को पढ़ा गया। मौके पर गुरुद्वारा प्रबंधन कमिटी के मुख्य प्रधान सेवक गुणवंत सिंह मोगिया ने कहा कि जब धर्म के नाम पर मर मिटने की



बात आती है तो सिख समुदाय का नाम हमेशा ही सम्मान के साथ लिया जाता है। सिखों के नौवें गुरु गुरु तेग बहादुर ऐसे ही एक विलक्षण प्रतिभा के धनी थे जिन्होंने हिंदू धर्म के सम्मान को बरकरार रखने के लिए अपनी जान की भी परवाह नहीं की। हिंदू धर्म की रक्षा के लिए गुरु तेग बहादुर ने हंसते हंसते बलिदान दे दिया किंतु हिंदू धर्म को झुकने नहीं दिया।वे भारत और भारतीयता अर्थात हिंदुत्व की रक्षा के लिए सदैव स्मरण किए जाऐंगे। कहा की गुरु तेग बहादुर को हिंद की चादर कहा जाता है। कहां की इस बार आरएसएस ने संकल्प लिया है कि वह घर-घर तक जाकर शहीदों की शहीदी के बारे में बताऐंगे। मौके पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के सचिव नरेंद्र सिंह सलूजा उर्फ सम्मी, पूर्व प्रधान अमरजीत सिंह सलूजा, कुंवरजीत सिंह, चरणजीत सिंह सलूजा, राजेंद्र सिंह सरबजीत सिंह, कुशल सलूजा, गुरबिंदर सिंह

भाजपा केकेंद्रीय नेतृत्व, झारखंड प्रदेश नेतृत्व, जिला अध्यक्ष, भाजयुमो कार्यकर्ताओं और सभी शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया। संजीव कुमार ने कहा कि युवाओं का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करना और उन्हें नेतृत्व के लिए प्रेरित करना अब उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी होगी।उन्होंने कहा, युवा शक्ति ही राष्ट्र की शक्ति है। युवाओं को अवसर, मार्गदर्शन और उपयुक्त प्लेटफॉर्म उपलब्ध करने में सक्रिय भूमिका निभाते हुए मैं निरंतर राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित रहूंगा।

विद्यार्थी विज्ञान मंथन में चमके डीएवी सेक्टर-4 के छात्र, 49 पहुंचे दूसरे चरण में

बोकारो: डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 बोकारो के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा विद्यार्थी विज्ञान मंथन (इश्ट) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय के कुल 71 परीक्षार्थियों में से 49 छात्र प्रथम चरण सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर दूसरे चरण में पहुंच गए हैं। यह प्रतियोगिता भारत सरकार के विज्ञान भारती, नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस म्यूजियम तथा एनसीईआरटी द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है। द्वितीय चरण की परीक्षा 19 नवंबर से 30 नवंबर 2025 के बीच ऑनलाइन आयोजित होगी। सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए विद्यालय के प्राचार्य एस.के. मिश्रा ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करती हैं और विज्ञान के प्रति रुचि एवं शोधभावना को बढ़ाती हैं। उन्होंने सफल छात्रों को आगामी चरण की तैयारी हेतु दिशा-निर्देश भी प्रदान किए।

गोमिया में निःशुल्क मोतियाबिंद आपरेशन जांच शिविर का आयोजन



नवप्रदेश, गोमिया: गोमिया के आइइएल स्थित कार्ड बोर्ड कार्यालय परिसर में रविवार को जिला अंधापन नियंत्रण समिति बोकारो के सौजन्य से निःशुल्क मोतियाबिंद आपरेशन जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन ससबेडा पश्चिमी के मुखिया शांति देवी एवं पंसस प्रवीण कुमार यादव ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान शिविर में 35 लोगों की आंखों की मोतियाबिंद की जांच की गई। जिसमें से 12 लोगों में मोतियाबिंद का लक्षण पाया गया। जिसका मोतियाबिंद का आपरेशन किया जाएगा। शिविर में मरीजों के आंखों की जांच नेत्र

चिकित्सक डॉ आरोफिल एवं डॉ राजेश कुमार ने किया। मौके पर बबलू पांडेय ने कहा कि जिला अंधापन नियंत्रण समिति बोकारो के सौजन्य से समय समय पर निःशुल्क मोतियाबिंद आपरेशन जांच शिविर लगाया जाता है और इस शिविर में कई जरूरतमंद लोग अपनी आंखों की जांच करवाकर मोतियाबिंद का आपरेशन करवाते हैं। मौके पर पूर्व मुखिया बिनोद पासवान, शिवशंकर दुबे, शशिभूषण दुबे, बबलू पांडेय, जितेंद्र त्रिपाठी, उमेश कुमार विश्वकर्मा, कान्ति देवी, अस्फाक आलम, बिनोद कुमार, अमिर, विजय कुमार आदि उपस्थित थे।

हॉन्ग कोंग इंटरनेशनल क्लासिक में बोकारो की रेशमा कुमारी ने जीता कांस्य पदक

नवप्रदेश संवाददाता

बोकारो: हांगकांग में 15 से 23 नवंबर 2025 तक आयोजित प्रतिष्ठित हॉन्ग कोंग इंटरनेशनल क्लासिक लॉन बॉल चैंपियनशिप 2025 में भारत की ओर से प्रतिनिधित्व कर रही बोकारो की प्रतिभावान लॉन बॉल खिलाड़ी रेशमा कुमारी ने महिला पेयर्स वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली इस उपलब्धि ने भारत, झारखंड और विशेष रूप से बोकारो का गौरव बढ़ाया है।

बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा ने रेशमा को बधाई देते हुए कहा कि उनकी मेहनत, समर्पण और प्रदर्शन ने जिले का नाम एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय पटल पर चमकाया है। जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन ने भी रेशमा को इस सफलता पर



शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि से जिले के उभरते खिलाड़ियों को नई प्रेरणा मिलेगी और लॉन बॉल खेल को नई दिशा प्राप्त होगी। रेशमा कुमारी की यह उपलब्धि बोकारो के लिए गर्व का क्षण है। उनसे भविष्य में और भी बड़ी उपलब्धियों की उम्मीद की जा रही है।

एनसीसी से व्यक्तित्व निर्माण एवं जीवन में अनुशासन आता है :नीरज सिंह, पुलिस उपाधीक्षक



गिरिडीह : एनसीसी स्थापना दिवस समारोह पर मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस उपाधीक्षक गिरिडीह नीरज सिंह एवं गिरिडीह कालेज के प्राचार्य डॉ अनुज कुमार उपस्थित रहे।एनसीसी कैडेट्स के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पहले उपाधीक्षक सर के द्वारा झंडोतोलन किया गया उसके बाद दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। पूर्व कैडेट्स जिन्होंने एयर फोर्स, एसएससी जीडी, पुलिस विभाग में नौकरियां

ली हैं उन्हें भी मेडल प्रशस्ति-पत्र एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।वेस्ट कैडेट्स भी हुए सम्मानित।

सभी एनसीसी कैडेट्स ने देशभक्ति गीत-संगीत और नृत्य का अनुदा संगम पेश किया। लगातार कई दिनों से सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियां हो रही थी। डॉ अनुज ने एनसीसी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गिरिडीह कालेज के एनसीसी कैडेट्स सभी क्षेत्रों में अपना अच्छे

प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रो विनीता ने कहा कि एनसीसी समाजहित और देशहित के लिए कैडेट्स को तैयार कर उनमें देशभक्ति की भावना भरती है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सिनियर अंडर आफीसर सागेन सोरेन,सोनाली जयसवाल उमेश कुमार, सविता मरांडी की मुख्य भूमिका रही। मुख्य रूप से प्रो आशा रजवार ,समीर दीप, सुरेश गुप्ता,मनीष तिवारी,अनिश राजपूत,शिवम शर्मा आदि सैकड़ों कैडेट्स उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता FICCI द्वारा आयोजित ARISE EXCELLENCE AWARD 2025 में दुमका के चयनित विद्यालयों के शिक्षको को उपायुक्त महोदय ने किया सम्मानित



नवप्रदेश, दुमका : दुमका जिले के चार विद्यालय को राष्ट्रीय संस्था FICCI के द्वारा आयोजित ARISE Excellence अवार्ड 2025 के पुरस्कृत किया गया है। इस उपलब्धि से प्रसन्नता व्यक्त करते हुए दुमका के उपायुक्त अभिजित सिन्हा ने सभी शिक्षको को जिला समहारणालय के सभागार में सम्मानित किया कविदित है कि इन सभी विद्यालयों को भारती एयरटेल फाउंडेशन के द्वारा क्वालिटी सपोर्ट प्रोग्राम के अंतर्गत समर्थन दिया जा रहा है कइस वर्ष ऋद्धउक द्वारा यह पुरस्कार कुल 13 अलग अलग श्रेणी में दिया गया। राजकीय मध्य विद्यालय डंगालपाड़ा दुमका को प्रथम पुरस्कार, उक्रमित मध्य विद्यालय तलडंगाल 1 मसलिया को दो श्रेणी में प्रथम पुरस्कार तथा कन्या मध्य विद्यालय रघुनाथपुर के द्वितीय पुरस्कार प्राप्त

हुआ है। विदित है कि राष्ट्रीय स्तर के अवार्ड के लिए सम्पूर्ण भारत वर्ष से बहुत सारे विद्यालयों ने आवेदन दिया था। जिसमें रष्ट्रीय स्तर पर कुल 26 विद्यालय को 13 श्रेणी में पुरस्कृत किया गया। इ र 1 पुरस्कार को सम्मानित करने हेतु मुख्य अतिथि के रूप में श्री संदीप सिंह, बुनियादी शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश तथा आशीष सुंद, शिक्षा मंत्री, दिल्ली उपस्थित थे कइस अवसर पर उपायुक्त महोदय ने इस प्रकार के प्रयोग को दुमका जिले के अन्य विद्यालयों में क्रियान्वित करने का विचार प्रस्तुत किया कक्षिष्ठा विभाग से जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार हेन्न्मन ने इन विद्यालयों के उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि इस इस पुरस्कार को प्राप्त कर इन विद्यालयों ने पुरे दुमका जिले को गौरवान्वित किया है।

चिरकुंडा में 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन छात्रओं के बीच किया गया साइकिल का वितरण

धनबाद। झारखंड सरकार की महत्‍वकांक्षी योजना 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन रविवार को धनबाद के चिरकुंडा नगर परिषद के नगर भवन में आयोजित किया गया। जिसमें न सिर्फ सरकार की योजनाओं को सीधे आमजनों तक पहुंचाया गया, बल्कि समस्याओं का त्वरित समाधान भी किया गया। साथ ही छात्राओं के

बीच उन्नति का पहिया, झारखंड सरकार की साइकिल वितरण योजना के तहत छात्राओं के बीच साइकिल का भी वितरण किया गया।

शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाया। कैप में विभिन्न विभागों के कर्मचारी उपस्थित थे, जिन्होंने ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी।



आवेदन फॉर्म भरने में भी मदद की और मौके पर ही कई समस्याओं का समाधान किया गया। शिविर में मुख्‍यमंत्री मंईयां सम्‍मान योजना,

अबुआ आवास योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, सर्वजन पेंशन, मुल्‍जुी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, हरा राशन कार्ड, जाति/आवासीय/ आय प्रमाण

पत्र जैसी सेवाएं ऑन द स्पॉट उपलब्‍ध कराई गईं। कार्यक्रम में मौजूद निरसा विधायक अरूप् चटर्जी ने बताया कि झारखंड सरकार की यह अच्‍छी पहल है। इस कार्यक्रम के तहत सरकार सीधे राज्‍य की जनता के घर पहुंच रही है और सरकार की विभिन्‍न योजनाओं का लाभ देने के साथ-साथ उनके हर समस्या का समाधान भी कर रही है। शिविर में हर विभाग के अधिकारी

उपस्थित होकर सभी का आवेदन स्‍वीकार कर रहे है और त्वरित उन सभी आवेदनों पर कार्रवाई भी की जा रही है। रही बात मंईया सम्‍मान की राशि की तो, सरकार की सोच है कि झारखंड के 18 से 50 वर्ष की आयु वाली सभी महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल सके, जो भी अब तक इस योजना से वंचित हैं उन्हें जल्‍द से जल्‍द जोड़ा जाएगा सरकार इस पर काफ़ी गंभीर है।

कोट मोड़ के पास सड़क हादसा एक की मौत, एक गंभीर

धनबाद। धनबाद में रविवार सुबह हुए सड़क हादसे में झरिया घनुवाडीह के दुगापुर कुम्हारपट्टी के रहने वाले दो मर्मेरे-फुफेरे भाई दुर्घटना का शिकार हो गए। गौतम पंडित, उम्र 35 वर्ष, और जोगिंदर पंडित शनिवार की रात गोविंदपुर में एक शादी समारोह में शामिल हुए थे और सुबह स्प्लेंडर बाइक से झरिया लौट रहे थे। जैसे ही वे कोट मोड़ के पास पहुंचे, सामने से तेज

रफ्तार में आ रही एक बाइक ने अचानक उन्हें चकमा दे दिया। अचानक हुए इस मोड़ से दोनों का संतुलन बिगड़ गया और उनकी स्प्लेंडर बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से टकरा गई। इस भीषण टक्कर में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और एंबुलेंस की मदद से दोनों को आनन-फानन में एम्एनएमएसपीएच भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने गौतम पंडित को मृत घोषित कर दिया। वहीं जोगिंदर पंडित की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। उनके सिर और पैर में गहरी चोटें आई हैं और डॉक्टरों की टीम लगातार उनके उपचार में जुटी है। वहीं, हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

बेलगड़िया टाउनशिप में लाइफ लाइन हॉस्पिटल ने लगाया निशुल्क स्वास्थ्य जाच शिविर

झरिया/धनबाद: रविवार को झरिया के लाइफ लाइन अस्पताल के द्वारा बेलगडिया टाऊनशिप में निशुल्क स्‍वास्‍थ्‍य जांच शिविर व दवा वितरण का आयोजन किया गया। जिससे स्‍थानीय लोगों ने स्‍वास्‍थ्‍य जांच करवाकर काफी लाभ उठाया। लोगों ने बताया कि लाइफ लाइन हॉस्‍पिटल के डॉक्‍टर ओपी अग्रवाल का यह बहुत अच्‍छा प्रयास है कि आज यहां पर स्‍वास्‍थ्‍य जांच शिविर लगाया गया जिसका लाभ आज विभिन्‍न मर्ज से ग्रसित जरूरतमंद मरीजों ने लिया।स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि बेलगाड़िया टाउनशिप में लगभग



40 हजार लोग निवास कर रहे हैं मगर यहां पर चिकित्सा के नाम पर कोई भी सरकारी अस्पताल या स्‍वास्‍थ्‍य केंद्र नहीं खोला गया है जिससे स्‍थानीय लोगों को इलाज के लिए धनबाद जाना पड़ता है। इस संबंध में डॉक्‍टर ओपी अग्रवाल ने बताया कि बेलगड़िया टाउनशिप में हमारे अस्पताल लाइफ लाइन के द्वारा मुफ्त

स्‍वास्‍थ्‍य जांच शिविर के साथ मुफ्त दवा वितरण का आयोजन किया गया। बताया की जांच के क्रम में इमिनिया, ब्लड शुगर, बीपी का रोगी ज्‍यादा पाया गया जिससे परामर्श के आलावा दवा भी दी गई।इस शिविर में डॉक्‍टर डी कुमार डॉक्‍टर, डॉ शमशेर आलम के अलावा स्‍वास्‍थ्‍य जांच की पूरी टीम मौजूद थी।

एसबीआई पेंशनर्स एसोसिएशन की आम सभा में वेतन पुनरीक्षण की मांग पर चर्चा

धनबाद:भारतीय स्टेट बैंक हीरापुर शाखा के परिसर में भारतीय स्टेट बैंक पेंशनर्स एसोसिएशन धनबाद अंचल के आह्वान पर त्रैवार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना व संयुक्त रूप से दीप प्रचलित कर किया गया।आम सभा में हजारीबाग, जामताड़ा, बोकारो तथा धनबाद के पेंशनधारी उपस्थित थे। इस अवसर पर स्टेट बैंक पेंशनर्स एसोसिएशन पटना

सीटू का तीन दिवसीय अधिवेशन समाप्त, जारी रहेगा नए श्रम कानून पर विरोध : विधायक

धनबाद। धनबाद कोयला नगर स्थित कन्‍युनिटी हॉल में 21 नवंबर से शुरू हुआ भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र (सीटू) का 8वां तीन दिवसीय झारख राज्य सम्‍मेलन का रविवार को समाप्त हो गया। इसमें मुख्य रूप से निरसा विधायक अरूप् चटर्जी एवं सीटू के पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

इस दौरान निरसा विधायक सह मासस नेता अरूप् चटर्जी ने कहा कि अधिवेशन में सीटू को कैसे मजबूत किया जाए इसपर चर्चा हुई। साथ ही केंद्र सरकार द्वारा श्रम कानून में जो तब्‍दीलियां की गई है उसपर भी चर्चा की गई हैं। इस नए

प्रमंडल के अध्यक्ष सीपी सिंह, उपाध्यक्ष रमेश प्रसाद सिंह, महासचिव हरेंद्र प्रसाद, उप महासचिव रमेश प्रसाद तिवारी को

चुनौतियों वाली पारी

आखिरकार सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गए। जदयू सुप्रीमो ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही सत्ता का एक नया कार्यकाल शुरू कर दिया। यद्यपि हालिया चुनाव में भाजपा ने जदयू से ज्यादा सीटें हासिल करके सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उपस्थिति दर्ज करायी है, लेकिन इसके बावजूद चार कम सीट जीतने वाले जदयू के 74 वर्षीय दिग्गज को मुख्यमंत्री बने रहने देना ही बेहतर समझा है। वहीं सहयोगी दल भाजपा से सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के उपमुख्यमंत्री पद बरकरार रहे। निस्संदेह, नीतीश का पिछला कार्यकाल उतार-चढ़ाव भरा रहा था। उन्होंने पहले भाजपा के साथ सरकार बनायी और मनभेद के चलते महागठबंधन में शामिल हुए। फिर पलटी लेकर भाजपा के साथ सरकार में शामिल हो गए थे। इसके बावजूद बिहार की जनता ने उनकी इस उलट-पलट को माफ़ ही कर दिया। संभवतः उनकी इस अपील पर वोट दिया कि यह उनकी आखिरी पारी है। जनता ने उनके नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार के स्थायित्व पर भरोसा जताया। शायद बिहार की जनता जंगल राज के दु:स्वप्न को नहीं भूली है। एक बात तो तय है कि राज्य की जनता ने तमाम किंतु-परंतुओं के बावजूद बिहार के भविष्य के लिये उन्हें बेहतर माना है। यही वजह है कि रिकॉर्ड दसवीं बार शपथ लेने वाले नीतीश को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें स-शासन के सिद्ध टैक रिकॉर्ड वाला एक अनुभवी प्रशासक बताया है। लेकिन राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि भाजपा कब तक छोटे भाई की भूमिका में रहेगी? विपक्ष को संदेह है कि नीतीश शायद ही अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्हें आशंका है कि भाजपा किसी न किसी स्तर पर बिहार में पार्टी का मुख्यमंत्री बनाना चाहेगी। राजनीतिक विश्लेषक महाराष्ट्र का उदाहरण देते हैं, जहां भाजपा ने पहले शिवसेना के एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया और बाद में उन्हें हटाकर देवेद्र फडनवीस को कुर्सी पर बैठा दिया। वहीं कुछ राजनीतिक पंडितों का तर्क है कि भाजपा के पास केंद्र में पूर्ण बहुमत नहीं है, इसलिए एनडीए सरकार को सहारा देने के लिये भाजपा को नीतीश के समर्थन की जरूरत बनी रहेगी। इस बात से यह निष्कर्ष निकाला जा रहा है कि जदयू अपना अस्तित्व बचाये रखने के लिये बेहतर स्थिति में है।

बहरहाल, नीतीश की तात्कालिक प्राथमिकताएँ बेरोजगारी दूर करने और पलायन पर अंकुश लगाने की होनी चाहिए। हकीकत यह है कि राज्य में रोजगार संकट के चलते बिहार के तीन घरों में से दो का एक सदस्य दूसरे राज्य में काम करने को मजबूर है। साथ ही नीतीश को सरकार बनाने में भरपूर समर्थन देने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रमुख चुनावी वायदे को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना चाहिए। इसके अलावा उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि जदयू मजबूत और अक्षुण्ण बना रहे। यह अवश्यंभावी है कि भाजपा और चिरग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी उन्हें सतर्क बनाए रखेगी।

भाजपा के मन में यह कसक जरूर रहेगी कि सबसे बड़े दल के रूप में उदय होने पर भी पार्टी बिहार में अब तक अपनी स-रकार नहीं बना पायी है। ऐसे में नीतीश को बाहरी विपक्षी से तो नहीं, गठबंधन के दलों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से जूझना पड़ेगा।

वहीं प्रचंड बहुमत देने पर जनता की उम्मीदें भी उफान पर रहेंगी। राजग द्वारा चुनाव के दौरान तमाम वायदे किए गए थे, लेकिन राज्य की कमजोर आर्थिक स्थिति के मद्देनजर इन सब वायदों को पूरा करना आसान न होगा। वहीं दूसरी ओर नीतीश के सामने उनकी सेहत और बढ़ती उम्र को लेकर भी चुनौती पैदा हो सकती है। जिसको लेकर विपक्ष पूरे चुनाव अभियान के दौरान लगातार हमलावर बना रहा है। साथ ही बिहार की डेढ़ करोड़ महिलाओं को दस हजार रुपये लगातार दे पाना भी परेशानी का सबब बन सकता है। वहीं गठबंधन सरकार के लिए चुनाव से पहले एनडीए गठबंधन द्वारा किए गए मुफ्त अनाज, मुफ्त बिजली,मुफ्त इलाज,सामाजिक सुरक्षा पेंशन देने तथा पचास लाख पक्के मकान के वायदे को हकीकत में बदलने को वित्तीय संसाधन जुटाना भी एक बड़ी चुनौती साबित होगी।

मुक्त हुए रिश्ताई मुक्तक

समकालीन हिंदी साहित्य में रिश्तों पर बहुत कुछ लिखा गया है, परंतु डॉ. कृष्ण कन्हैया की कृति मुक्त हुए रिश्ताई मुक्तक इस विषय को जिस आत्मीयता और गहराई से छूती है, वह इसे विशिष्ट बनाती है। यह पुस्तक केवल मुक्तकों का संकलन नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर के रिश्तों, उनकी विडंबनाओं, ऊष्मा और विरल होते अपनत्व का आत्मसंवाद है।

कवि स्वयं पेशे से चिकित्सक हैं – और शायद इसी कारण मानवीय पीड़ा, मनोभावों और संवेदनाओं का सूक्ष्म विश्लेषण उनकी लेखनी में सहजता से उतर आया है। रोग के लक्षणों की तरह वे रिश्तों के रोग को भी पहचानते हैं, उसका निदान सुझाते हैं और पाठक को एक आत्ममंथन के लिए आमंत्रित करते हैं।

रिश्तों का विमर्श और मुक्ति का अर्थ मुक्त हुए रिश्ताई मुक्तकह का केंद्र-बिंदु है – संबंधों की वह डोर जो समय, स्वार्थ और अहंकार के बोझ तले टूटती चली जाती है। कवि कहीं निराश नहीं होते, बल्कि एक चिकित्सक की तरह रिश्तों की थैरेपी करते हैं।

एक मुक्तक में ते लिखते हैं

रिश्ते जब बंधन बन जाएँ, तो मुक्त होना भी जरूरी है, मुक्ति का अर्थ तोड़ना नहीं, अपने भीतर लौट आना है।

यहाँ मुक्ति का अर्थ पलायन नहीं, बल्कि आत्मचिंतन है। कवि यह बताता चाहें हैं कि रिश्तों की पवित्रता तब बचती है, जब वे बोझ नहीं, सहअस्तित्व बनें। पुस्तक की भाषा बेहद सहज है, लेकिन हर मुक्तक में एक गहरी सूक्ति का भाव है। कहीं वह जीवनदर्शन बन जाती है, तो कहीं

शेख हसीना को मृत्युदंड: दक्षिण एशियाई कूटनीति में भारत की नई चुनौती

—**डॉ. सत्यवान सौरभ—**

बांग्लादेश की राजनीति में अभूतपूर्व उथल-पुथल के बीच पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश के न्यायाधिकरण द्वारा मृत्युदंड सुनाया जाना केवल एक अदालती फैसला नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशियाई भू-राजनीतिक परिदृश्य को हिला देने वाला ऐतिहासिक घटना-क्रम है। यह सजा उस समय सुनाई गई जब हसीना पहले से ही भारत में राजनीतिक शरण जैसी स्थिति में रह रही थीं और बांग्लादेश में उनकी सरकार के विरोध में विस्तृत जन-आक्रोश तथा हिंसक आंदोलनों की पृष्ठभूमि मौजूद थी। इस फैसले ने बांग्लादेश की लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता, न्यायिक प्रक्रिया की पारदर्शिता और शासन की स्थिरता को तीव्र विवाद के केंद्र में ला दिया है। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि यह स्थिति भारत को किस प्रकार गहरे कूटनीतिक द्वंद्व में धकेल रही है, जहाँ हर कदम क्षेत्रीय समीकरणों और द्विपक्षीय हितों पर दूरगामी प्रभाव डाल सकता है।

भारत के लिए सबसे पहली चुनौती यह है कि वह इस फैसले पर कैसी आधिकारिक प्रतिक्रिया दर्ज करे। भारत बांग्लादेश का सबसे नजदीकी और सबसे बड़ा साझेदार देश है, जिसके साथ सुरक्षा, व्यापार, ऊर्जा, सीमा-प्रबंधन, कनेक्टिविटी और सांस्कृतिक अन्तःसंबंध जैसे अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्र जुड़े हुए हैं। इसलिए भारत किसी भी प्रकार की खुली निंदा या समर्थन का जोखिम उठाने की स्थिति में नहीं है। भारत को लोकतांत्रिक मूल्यों, मानवाधिकार, न्यायिक

निष्पक्षता और राजनीतिक स्थिरता के सिद्धांतों को भी साथ में लेकर चलना है, जो उसे क्षेत्रीय नेतृत्व के मानक पर कसते हैं। इसके साथ ही बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप-नहीं-करने की नीति भी भारत के लिए अनिवार्य वास्तविकता है। यही कारण है कि भारत के कूटनीतिक वक्तव्यों का स्वर अत्यंत संयत, सावधान और संतुलित रहा है।

भारत के सामने दूसरी बड़ी चुनौती शेख हसीना की सुरक्षा और उनके प्रत्यर्पण की संभावित मांग है। हसीना लंबे समय से भारत में सुरक्षित हैं और बांग्लादेश की नई सत्ता-व्यवस्था व न्यायाधिकरण द्वारा उनका प्रत्यर्पण माँगा जाना लगभग निश्चित है। लेकिन भारत-बांग्लादेश प्रत्यर्पण संधि में राजनीतिक अपराध अपवाद का स्पष्ट उल्लेख है, जो भारत को कानूनी आधार देता है कि वह हसीना को बांग्लादेश भेजने से इनकार कर सके। इसके अतिरिक्त, यदि भारत उन्हें प्रतिपक्षीय हिंसा या पक्षपातपूर्ण मुकदमे का शिकार मानता है, तो प्रत्यर्पण देना भारत के मानवाधिकार और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के विरुद्ध होगा। किंतु इससे बांग्लादेश सरकार के साथ तनाव बढ़ सकता है, और भारतीय कूटनीति को इसे अंततः सावधानी से संभालने की आवश्यकता है। भारत को इस स्थिति का तीसरा बड़ा आयाम क्षेत्रीय स्थिरता के संदर्भ में देखना आवश्यक है। भारत और बांग्लादेश लगभग चार हजार किलोमीटर लंबी साझा सीमा स-झा करते हैं, जहाँ अशांति फैलने या राजनीतिक हिंसा बढ़ने से सीमा सुरक्षा, सीमा-पार अपराध, अवैध आवागमन, शरणार्थी प्रवाह और कट्टरपंथी समूहों की

आतंक पर निर्णायक सख्ती जरूरी

आतंक को तकनीक चाहे बदल जाए, पर हमारी कमियाँ वही पुरानी हैं। निगरानी कैमरों की संख्या सीमित है, उनकी गुणवत्ता अपर्याप्त है, और उममे से भी कई खराब रहते हैं। कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एआई-आधारित निगरानी की व्यवस्था अब तक लागू नहीं है। यह भी एक कटु सत्य है कि जाँच एजेंसियों की क्षमता के मुकाबले घटनाओं की जटिलता कई गुना बढ़ गई है। आधुनिक दुनिया में जहाँ एक छोटे से डिवाइस में असंख्य डिजिटल प्रमाण छिपे हो सकते हैं, वहाँ हमारी फॉरेंसिक लैब्स की संख्या और आधुनिकता अभी भी सीमित है। सवाल यह भी है कि हम कब तक इन पुरानी कमजोरियों के साथ एक बदलती हुई दुनिया का सामना करेंगे?

एक आधुनिक राजधानी में 247 इंटेलिजेंट सर्विलांस सिस्टम होना चाहिए, जहाँ हर भीड़भाड़ वाला इलाका, हर बाजार, हर सार्वजनिक स्टेशन और हर संवेदनशील संस्थान एआई से जुड़े कैमरों की निगरानी में हो। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और इजरायल ने वर्षों पहले यह सुनिश्चित कर लिया कि आतंकियों के लिए कोई अंधेरा कोना न बचे। भारत को भी अब निगरानी को प्राथमिकता देनी चाहिए। कानून व्यवस्था की मजबूती केवल पुलिस की संख्या बढ़ाने से नहीं आएगी, बल्कि यह तकनीक, डेटा और तेजी से काम करने वाले नेटवर्क से आएगी। यह भी एक गंभीर पहलू है कि आतंकवाद से जुड़े मामलों में हमारी न्यायिक प्रक्रिया उतनी तेज नहीं है जितनी होनी चाहिए। वर्षों तक चलने वाली सुनवाई, गवाहों का मुकर जाना, कमजोर अभियोजन और डिजिटल साक्ष्यों की जटिलता-ये सब आतंकियों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ पहुँचाते हैं। जबकि अमेरिका ने 9/11 के बाद स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद से जुड़े मामलों में न देरी स्वीकार्य है, न ढिलाई। भारत को भी यह संदेश देना चाहिए कि आतंकवाद के मामलों में न्याय शीघ्र और दृढ़ होना चाहिए। यह केवल कानूनी आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की अनिवार्यता है।

क्रोध में मनुष्य अपने मन की बात नहीं कहता, वह केवल दूसरों का दिल दुखाना चाहता है।

– प्रेमचंद

नियम के बिना और अभिमान के साथ कथिया गया तथ्य ही होता है।

– वेदव्यास



यह पॉक कवि की संपूर्ण संवेदना को प्रकट करती है।

ह्रजीवनरक्षक प्रक्रियाह्म शब्द का प्रयोग यहाँ अत्यंत अर्थपूर्ण है – यह न केवल चिकित्सकीय संकेत है, बल्कि भावनात्मक जीवन का प्रतीक भी है।

मुक्त हुए रिश्ताई मुक्तकह आधुनिक हिंदी साहित्य में मुक्तक-विधा को नया आयाम देता है।

जहाँ अधिकांश मुक्तक केवल विचार या बिंब तक सीमित रहते हैं, वहीं इस कृति के मुक्तक जीवन और दर्शन का संगम बनते हैं।

रिश्तों की मरम्मत अहंकार के औजार से नहीं होती, थोड़ी विनम्रता भी गोंद का काम करती है। यह काव्य केवल अनुभव नहीं, बल्कि मनोविज्ञान का पाठ है। कवि के शब्दों में वह आत्मीयता है, जो किसी दार्शनिक ग्रंथ में भी नहीं मिलती।

डॉ. कृष्ण कन्हैया का व्यक्तित्व बहुआयामी है। वे चिकित्सक होने के साथ-साथ एक गहन चिंतक और संवेदनशील कवि हैं।

उनका चिकित्सा-व्यवसाय उन्हें मनुष्य के शरीर तक पहुँचाता है, और साहित्यिक रचनाशीलता उनके मन और आत्मा तक।

वे अपने अनुभवों से यह सीख देते हैं कि संबंधों की चिकित्सा सबसे कठिन, किंतु सबसे आवश्यक चिकित्सा है।

उनकी लेखनी में पेशे की कठोरता नहीं, बल्कि संवेदना की कोमलता है। वे अपने मुक्तकों के माध्यम से यह संदेश देते हैं कि ह्रमनृष्य तभी स्वस्थ है, जब उसके रिश्ते स्वस्थ हैं।

मुक्त हुए रिश्ताई मुक्तकह केवल पढ़ने की चीज नहीं, बल्कि महसूस करने की प्रक्रिया है। यह पुस्तक पाठक को अपने भीतर झाँकने पर विवश करती है –

आतंकवाद को रोकने में नागरिक चेतना की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी एजेंसियों की। एक साधारण नागरिक की एक छोटी-सी सूचना कई बड़े हमलों को रोक सकती है। लेकिन अक्सर लोग पुलिस से संपर्क करने में संकोच करते हैं, उन्हें प्रक्रिया लंबी और जटिल लगती है, या वे यह सोचते हैं कि ह्रयह मेरा काम नहीं। ह्र यह मानसिकता बदलनी होगी। सरकार को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जहाँ नागरिक आसानी से सूचना दे सके, और तत्काल प्रतिक्रिया तंत्र मौजूद हो। मोहल्ला-स्तर तक चौकसी को मजबूत किया जाना चाहिए। नागरिक जब जागरूक होते हैं, तब आतंक के लिए जगह अपने आप कम होती जाती है। दुर्भाग्य यह है कि भारत में सुरक्षा नीति अक्सर राजनीतिक बहसों में उलझ जाती है। किसी घटना को विपक्ष सत्ताधारी दल की विफलता बताता है, और सत्ता दल उसे सिर्फ ह्राआतंकी षड्यंत्रह्र कहकर जिम्मेदारियों से बचने की कोशिश करता है। लेकिन आतंकवाद का कोई राजनीतिक रंग नहीं होता। वह न किसी विचारधारा का मित्र है, न शत्रु; वह सिर्फ राष्ट्र और उसके नागरिकों को नुकसान पहुँचाता है। इसलिए यह अनिवार्य है कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीति से ऊपर रखा जाए। अमेरिका में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर दोनों दल एकजुट रहते हैं; भारत में भी यह संस्कृति विकसित होनी चाहिए। तकनीक इस युग की नई सुरक्षा दीवार है। भारत को अगले कुछ वर्षों में एक व्यापक तकनीक-आधारित सुरक्षा मॉडल बनाना होगा। एआई आधारित सीसीटीवी नेटवर्क, चेहरे की पहचान प्रणाली, रीयल-टाइम डेटा इंटरलिंकिंग, आधुनिक डिजिटल फॉरेंसिक लैब, साइबर विशेषज्ञों की निपुण्ति, संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की निगरानी और डार्क वेब पर नजर रखने वाली विशेष टास्क फोर्स-ये सभी कदम अत्यंत आवश्यक हैं।

यह समझना होगा कि आतंकवाद को केवल बंदूक और बम से ही नहीं, बल्कि डेटा और तकनीक से भी हराया जा सकता है।



बद्धजीव का कर्मक्षेत्र

अर्जुन प्रकृति, पुरुष, क्षेत्र, क्षेत्रज्ञ, ज्ञान तथा ज्ञेय के विषय में जानने का इच्छुक था। जब उसने इनके विषय में पूछा तो कृष्ण ने कहा कि यह शरीर क्षेत्र कहलाता है और इस शरीर को जानने वाला क्षेत्रज्ञ है। यह शरीर बद्धजीव के लिए कर्म–क्षेत्र है। बद्धजीव इस संसार में बंधा हुआ है और वह भौतिक प्रकृति पर अपना प्रभुत्व प्राप्त करने का प्रयत्न करता है। इस प्रकार प्रकृति पर प्रभुत्व दिखाने की क्षमता के अनुसार उसे कर्म–क्षेत्र प्राप्त होता है। यह कर्म–क्षेत्र शरीर है। और यह शरीर क्या है? शरीर इन्द्रियों से बना हुआ है। बद्धजीव इन्द्रियतृप्ति चाहता है, और इन्द्रियतृप्ति को भोगने की क्षमता के अनुसार ही उसे शरीर या कर्म–क्षेत्र प्रदान किया जाता है। इसीलिए बद्धजीव के लिए शरीर क्षेत्र अथवा कर्मक्षेत्र कहलाता है। जो व्यक्ति अपने को शरीर मानता है, वह क्षेत्रज्ञ कहलाता है। क्षेत्र तथा क्षेत्रज्ञ अथवा शरीर और शरीर के ज्ञाता (देही) का अन्तर समझ पाना कठिन नहीं है। कोई भी व्यक्ति सोच सकता है कि बाल्यकाल से वृद्धावस्था तक उसमें अनेक परिवर्तन होते रहते हैं, फिर भी वह व्यक्ति वही रहता है। इस प्रकार कर्म–क्षेत्र के ज्ञाता तथा वास्तविक कर्म–क्षेत्र में अन्तर है। एक बद्धजीव जान सकता है कि वह अपने शरीर से भिन्न है। बताया गया है कि जीव शरीर के भीतर है और यह शरीर बालक से किशोर, किशोर से तरुण तथा तरुण से वृद्ध के रूप में बदलता जाता है और शरीरधारी जानता है कि शरीर परिवर्तित हो रहा है। स्वामी स्पष्टतः क्षेत्रज्ञ है।

कभी–कभी हम सोचते हैं। मैं सुखी हूं, मैं पुरुष हूं, मैं स्त्री हूं। यह ज्ञाता की शारीरिक उपाधियां हैं, लेकिन ज्ञाता शरीर से भिन्न होता है। भले ही हम तरह–तरह की वस्तुएं प्रयोग में लाएं – जैसे कपड़े इत्यादि, लेकिन हम जानते हैं कि हम इन वस्तुओं से भिन्न हैं। इसी प्रकार, थोड़ा विचार करने पर हम यह भी जानते हैं कि हम शरीर से भिन्न हैं। मैं, तू या अन्‍य कोई जिसने शरीर धारण कर रखा है, क्षेत्रज्ञ कहलाता है– अर्थात् वह कर्म–क्षेत्र का ज्ञाता है और यह शरीर क्षेत्र है– साक्षात कर्म–क्षेत्र है।

गांव-गांव में जागरूकता शिविर के माध्यम से लोगों को कानून के प्रति और योजनाओं के बारे में जानकारी देकर सशक्त किया जा रहा है प्रतीक चतुर्वेदी

मेदिनीनगर पलामू
झालसा के निर्देश पर व पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष श्रीराम शर्मा के निर्देशन में रविवार को पलामू जिले के 20 प्रखंडों में विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही शिविर के माध्यम से लाभुको के बीच परिसंपत्तियों का वितरण कर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में आम जनों को जागरूक किया गया। सदर प्रखंड मेदिनीनगर में शिविर का उदघाटन जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वितीय प्रतीक चतुर्वेदी ने द्वीप प्रज्वलित कर किया।इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वितीय प्रतीक चतुर्वेदी ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से केवल अदालत में ही लोगों को मदद नहीं किया जाता है बल्कि जेल में बंद कैदियों और ग्रामीण स्तर के लोगों को भी योजनाओं का लाभ डालसा के



माध्यम से दिलाया जा रहा है।पारा लीगल वालंटियर गांव गांव में जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। तथ्या योजनाओं का लाभ जरूरत मन्द को दिलाने में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में जागरूकता शिविर के माध्यम से लोगों को कानून के प्रति और योजनाओं के बारे में जानकारी देकर सशक्त किया जा रहा है जिसका लाभ आम जनमानस उठा रहे हैं। उन्होंने लाभुको के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया। बिदित हो कि पलामू जिला के चैनपुर प्रखंड में कार्यक्रम का

उदघाटन व लाभुकों के बीच परिसम्पत्तियों का वितरण जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अष्टम आयाशा खान, लेस्लीगंज प्रखंड में जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नवम आभास कुमार, सतबरवा प्रखंड में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रंजन, रामगढ़ प्रखंड में ए सी जे एम श्रीमती सुशीला सोरांग,पडवा प्रखंड में जे एम सोनम बिश्नोई , पाटन प्रखंड में जे एम रवि शंकर पांडेय, उंटारी रोड प्रखंड में जे एम निर्भय प्रकाश विश्रामपुर प्रखंड में जे

एम रश्मि चंदेल, नौडीहा बाजार प्रखंड में रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी प्रज्ञेश निगम ,पांकी प्रखंड में अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी कमल प्रकाश, हैदरनगर प्रखंड में लीगल एड डिफेंस काउंसिल के चीफ अमिताभ चन्द सिंह, तरहसी प्रखंड में लीगल एड डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय, मोहम्मदगंज प्रखंड में लीगल एड डिफेंस काउंसिल के असिस्टेंट वीर विक्रम वकस राय,हुसैनाबाद प्रखंड में लीगल एड डिफेंस काउंसिल के

असिस्टेंट उत्तम कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर डालसा द्वारा संचालित कार्यक्रम व प्रदत्त सुविधा के अलावे केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई व सौकड़ों लाभुको लाभकों के बीच परिसम्पत्तियों का वितरण किया गया।कार्यक्रम में लोगो को जानकारी देते हुए बताया गया कि विधिक सशक्तिकरण शिविर का उद्देश्य लोगों को सशक्त बनाना है। कोई भी व्यक्ति न्याय व अधिकार से वंचित नहीं रहे। इसके लिए विभिन्न प्रखंडों में सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया है।बताया गया कि किसी प्रकार की समस्या हो तो आप जिला विधिक सेवा प्राधिकार में आवेदन दे सकते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से केस लड़ने के लिए मुफ्त वकील मुहैया कराए जाते हैं। साथ ही कोर्ट फीस दिया जाता है।कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित नही रहे।न्याय सबके लिए सुलभ

हो। वही किसी भी तरह की जानकारी। टॉल फ्री नम्बर 15100 पर कॉल कर ले सकते हैं। कार्यक्रम में लोक अदालत , राषटीय लोक अदालत , लीगल एंड डिफेंस काउंसिल सिस्टम,मध्यस्थता आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस सम्बंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रंजन ने बताया कि विधिक सशक्तिकरण शिविर में सौकड़ों लाभुको के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया।महिला स्वयं सहायता समूह के महिलाओं को चेक प्रदान किया गया, वृद्धावस्था पेंशन की स्वीकृति पत्र दी गई,जॉब कार्ड, गोद भराई,अन्नप्रासन,स्कूली छात्रों को साईकिल उपलब्ध कराया गया। वहीं। किसानों के बीच खाद बीज का वितरण किया गया। इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी जागो महतो, पोली कार्प तिकी प्रखंड कर्मी ,अंचल कर्मी के अलावे पारा लीगल वालंटियर विनय प्रसाद,करण थापा के अलावे सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।



हरिहरगंज पलामू/जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) पलामू के तत्वावधान में रविवार को हरिहरगंज प्रखंड सभागार में विधिक सहायता शिविर आयोजित किया गया. कार्यक्रम में अतिथि के रूप में डालसा के पीएलए अमित पांडेय शामिल हुए, जबकि संचालन सीओ मनीष कुमार सिन्हा ने किया. अमित पांडेय ने कहा कि सुलभ और सस्ता न्याय हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है. विधि सहायता केंद्र के माध्यम से एससीइएएसटी, अनैतिक अत्याचार के शिकार लोग, महिलाएं, बच्चे, मानसिक रोगी और दिव्यांगजन को निशुल्क विधिक सेवा प्रदान की जाती है. उन्होंने समाज में फैली कुरीतियों से दूर रहने की अपील की. शिविर में 20 गरीब व विधवा महिलाओं के बीच राशन किट का वितरण किया गया. जेएसएलपीएस द्वारा तीन सखी मंडलों को सीआईएफ मद से 3 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया. सामाजिक सुरक्षा विभाग ने भी पात्र लोगों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया. अन्य ग्रामीणों के बीच धोती, साड़ी और कंबल का वितरण किया गया. मौके पर ब्लॉक प्रधान सहायक प्रभाकर प्रेम सिंह, बीएओ ब्रजेश कुमार, आईपीआरपी ममता कुमारी सहित कई लोग उपस्थित थे.

रजहारा में कोल माइंस को लेकर रैयत ग्रामीणों को 30 नंबर को बैठक कमेटी विस्तार



नावा बाजार पलामू/रविवार को रजहारा गांव में ग्रामीणों के एक आहूत बैठक रामानंद पांडे, उपमुखिया अशोक चौहान, पंचायत समिति प्रतिनिधि कमल कुमार, रविंद्र चौहान, स्वामी जी के नेतृत्व में किया गया, बैठक की अध्यक्षता जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि राजबली महारा ने किया.बैठक में मुख्य बिंदु कोल माइंस राजहारा कोठी पड़वा में ,खनन से प्रभावित एवं जमीनी रैयत मलिक लोगों की बैठक किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि खनन से प्रभावित लोगों के लिए एक संगठन का निर्माण किया जाएगा, जिसका अगला बैठक 30 नंबर दिन रविवार को भलही खदान के समीप किया जाएगा,और उसी दिन संगठन का नवीकरण एवं पदाधिकारी व सदस्यों का विस्तार किया जाएगा, बैठक में सांसद प्रतिनिधि पंकज तिवारी,पंचम प्रजापति, विजय चौहान, नरेंद्र चंदवंशी, नितिन प्रजापति, मिथिलेश चौहान, अजय पांडे, रामकिशन चौहान, आनंद चौहान, विक्की चौहान, राजन प्रजापति, विशाल सिंह, अखिलेश चौहान, पप्पू चौहान, बसंत प्रजापति समेत सैकड़ो पुरुष शामिल थे।

श्रमेव जयते देश के श्रम शक्ति का कवच है:

अविनाश वर्मा

मेदिनीनगर पलामू/भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति सदस्य अविनाश कुमार वर्मा ने एक बयान जारी कर देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ मनसुख मंडावीया को देश में चार श्रम संहिताएं लागू करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि आजादी के बाद देश में पहली बार श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए जो निर्णय लिए गए हैं वो आत्मनिर्भर भारत के लिए मिल का पथर हैं। अविनाश वर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की 21 नवंबर 2025 से श्रम संहिताओं को अधिसूचित करते हुए जो कानून बनाए गए हैं उसमें मजदूरी संहिता 2019, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020, औद्योगिक संबंध संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशाएं संहिता 2020 शामिल है, जिसके अंतर्गत देश के सभी श्रमिकों को अनिवार्य रूप से नियुक्ति पत्र निर्गत करना, न्यूनतम मजदूरी के साथ समय पर वेतन का भुगतान करना, महिला और पुरुष श्रमिकों को एक समान वेतन का भुगतान करना, देश के सभी 40 करोड़ श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा निश्चित करना,

डीएमएफटी फंड में बड़े घपले की आशंका प्रशासन ने दर्ज कराई प्राथमिकी, जांच शुरू

चतरा जिले में भी घोटालेबाजों को बंद सकती है ईशरानी, संगठित योजना की घोटाला का आरोप करीय संवाददाता/चतरा: हजारीबाग जिले में डीएमएफटी (डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन ट्रस्ट) फंड में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी और जालसाजी के गंभीर आरोप उभरकर सामने आए हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिला योजना पदाधिकारी पंकज कुमार तिवारी की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत पर कांड संख्या 339/25 दर्ज की गई है। मामला अब कोर्ट की दहलीज तक पहुंच चुका है। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने जांच की प्रक्रिया तेज कर दी है। प्रारंभिक जानकारी में यह मामला जालसाजी और फंड के दुरुपयोग से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि जिला योजना पदाधिकारी पंकज कुमार तिवारी ने चल रही जांच का हवाला देते हुए किसी भी प्रकार की जानकारी देने से इंकार कर दिया। विदित हो कि पिछले कई वर्षों से डीएमएफटी फंड के नाम पर विकास योजनाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं की शिकायतें सामने आती रही हैं। इस मामले में पहले भी माइनिंग क्षेत्र के विकास के लिए जारी राशि को अन्य क्षेत्रों में ट्रांसफर करने के भी आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री से लेकर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो तक शिकायतें दर्ज कराई थीं। **हजारीबाग में घोटाला जांच से चतरा जिले में दहशत** हजारीबाग जिले में घोटाला का पर्दा उठने के बाद मामला सामने आते ही चतरा जिले में भी संगठित घोटाले में शामिल लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। बताया गया माइनिंग क्षेत्र के विकास के लिए जारी राशि को अन्य क्षेत्रों में बड़े पैमाने में राशि ट्रांसफर किया गया है। वहीं आम्रपाली परियोजना के एक समाजसेवी ने बताया इसी के तर्ज पर आम्रपाली में भी सीएसआर का रुपये आम्रपाली से जुड़े एक अधिकारी अपना निजी उपयोग के लिए रांची के कई स्थानों के आलीशान बंगला में सीएसआर कार्य समाप्त करवाया है। रांची अरगोड़ा पिठोरिया में लगाए गए कीमती समानों का जांच में बड़ा खुलासा होने का दावा किया जाता है।

हैदरनगर में श्रीराम विवाह महोत्सव शुरू



25 नवंबर को बारात व भंडारा के साथ होगा समापन

श्रीराम मंदिर में तीन दिवसीय होगा संगीतमय श्रीराम कथा

हुसैनाबाद पलामू:
श्रीराम मंदिर चौक बाजार, हैदरनगर के प्रांगण में पारंपरिक रूप में इस वर्ष भी रविवार से बड़े श्रद्धा और उल्लास के साथ श्री राम विवाह महोत्सव का आयोजन शुरू हो गया है। यह आयोजन परम पूज्य श्री त्रिपट्टी स्वामी जी महाराज के कृपापात्र स्वामी पं. जयप्रकाश तिवारी जी महाराज के तत्वावधान

संपन्न किया जायेगा। समस्त अनुष्ठान का नेतृत्व अयोध्या से पधारे आचार्य आशीष पाठक और पं. वेदप्रकाश पांडेय कर रहे हैं।इस वर्ष माता सीता पक्ष से राजेश सिंह झ रेणु देवी एवं अंजू देवी इस धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम को प्रतिदिन दोपहर एक बजे से संध्या पांच बजे तक रखा गया है। जिसके उपरांत महाप्रसाद भंडारा का आयोजन होगा। स्वामी पं. जयप्रकाश तिवारी जी महाराज ने बताया कि यह महोत्सव न केवल धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि समाज में प्रेम, मयादा और एकता का संदेश भी देता है। इस आयोजन में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में भक्तों के पहुंचने की संभावना है। उन्होंने समस्त हरिनगर क्षेत्रवासी, भक्तगण व श्रद्धालुओं से सपरिवार इस पावन अवसर पर उपस्थित होकर पुण्य के भागी बनने का आग्रह किया है। इससे श्रीराम विवाहोत्सव का कार्यक्रम भी सफल होगा।

कटैया में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम फीका, योजनाओं के अवरुद्ध होने से नहीं उमड़ी मीड़



हरिहरगंज पलामू

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत रविवार को हरिहरगंज प्रखंड के कटैया पंचायत सचिवालय में आयोजित शिविर अपेक्षित रौनक नहीं बटोर सका. अबुआ आवास, मईयां सामान जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं से लाभ मिलने की अनिश्चितता और पोर्टल बंद रहने की सूचना ने ग्रामीणों की उम्मीदें तोड़ दीं. परिणामस्वरूप प्रशासन को जिस भीड़ की उम्मीद थी, वह नदारद दिखी. पूरे शिविर में इसी चर्चा ने जोर पकड़ा कि योजनाओं से संबंधित कार्य बांधित होने से कार्यक्रम का महत्व कम होता जा रहा है. हालांकि सभी विभागों ने

अपने-अपने स्टॉल लगाए और अधिकारी भी समय पर मौजूद किए, वहीं कर्म लाभुकों को धोतीझरसाड़ी वितरण किया गया. जिससे लाभुकों में संतोष दिखा. बाल विकास परियोजना द्वारा आयोजित गोद भराई और अन्नप्राशन कार्यक्रम ने शिविर में मानवीय संवेदना और सामाजिक जुड़ाव की गर्माहट बरी. इन कार्यक्रमों की वजह से शिविर में कुछ हद तक जीवन्तता बनी रही. इस शिविर में बीएओ ब्रजेश कुमार, आईपीआरपी ममता कुमारी समेत कई अधिकारी और लोग मौजूद थे.

पहल के तहत दस अत्यंत गरीब परिवारों को पोषण किट वितरित किए, वहीं कई लाभुकों को धोतीझरसाड़ी वितरण किया गया. जिससे लाभुकों में संतोष दिखा. बाल विकास परियोजना द्वारा आयोजित गोद भराई और अन्नप्राशन कार्यक्रम ने शिविर में मानवीय संवेदना और सामाजिक जुड़ाव की गर्माहट बरी. इन कार्यक्रमों की वजह से शिविर में कुछ हद तक जीवन्तता बनी रही. इस शिविर में बीएओ ब्रजेश कुमार, आईपीआरपी ममता कुमारी समेत कई अधिकारी और लोग मौजूद थे.

विज्ञान केवल पुस्तकों का विषय नहीं, बल्कि प्रयोग, अवलोकन और नवाचार का क्षेत्र है: कुलपति

शहोदल शिवाय ब्लू में कुलपति, पुलिस महानिरीक्षक और सिविल सर्जन ने किए उद्घाटन- प्रतिभा को सराहना

मेदिनीनगर पलामू
संत मरियम स्कूल द्वारा होटल शिवाय ब्लू में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी कला, नवाचार और वैज्ञानिक सोच का अद्भुत संगम साबित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों-नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दिनेश कुमार सिंह, पुलिस महानिरीक्षक शैलेंद्र कुमार सिन्हा, सिविल सर्जन अनिल श्रीवास्तव, विद्यालय चेयरमैन अविनाश देव, एवं प्राचार्य कुमार आदर्शझद्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रदर्शनी में छोटे-छोटे बच्चों से लेकर विषष्ट कक्षाओं तक के छात्रों ने स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वच्छ जल-वायु, पर्यावरण संतुलन, वेस्ट



मैनेजमेंट, आर्ट एंड क्राफ्ट तथा विज्ञान आधारित मॉडल प्रस्तुत किए। अतिथियों ने एक-एक मॉडल को ध्यानपूर्वक देखते हुए

बच्चों की लगन और नवाचारपूर्ण सोच की सराहना की। अपने संबोधन में कुलपति दिनेश कुमार सिंह ने की कहा की संत

मरियम स्कूल के बच्चे जिस स्तर पर वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुत कर रहे हैं, वह बेहद सराहनीय है। विज्ञान केवल पुस्तकों का विषय नहीं,

बल्कि प्रयोग, अवलोकन और नवाचार का क्षेत्र है-और आज बच्चों ने इसे सिद्ध किया है। भविष्य में यही बच्चे तकनीकी और शोध के क्षेत्र में नया इतिहास रचेंगे। वहीं पुलिस महानिरीक्षक बताया कि बच्चों में जिस तरह का आत्मविश्वास और विश्लेषण क्षमता दिखी है, वह प्रशंसनीय है। विज्ञान हमें तर्क, अनुशासन और समाधान की राह दिखाता है, और यही सोच हमारे समाज को सुरक्षित, संवेदनशील और सशक्त बनाती है। मैं स्कूल के बोधार्थ देता हूँ कि उन्होंने बच्चों को अपनी प्रतिभा व्यक्त करने का इतना सुंदर अवसर दिया।

सिविल सर्जन ने कहा की

स्वास्थ्य, स्वच्छता और पर्यावरण जैसे गंभीर विषयों पर बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडल बेहद प्रभावशाली हैं। यह देखकर अच्छा लगता है कि नई पीढ़ी सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के प्रति इतनी जागरूक होती जा रही है। ऐसे प्रयास न केवल वैज्ञानिक ज्ञान बढ़ाते हैं, बल्कि बच्चों में जिम्मेदारी और

संवेदनशीलता भी विकसित करते हैं। सैकड़ों छात्रों और अभिभावकों ने प्रदर्शनी में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया तथा बच्चों की प्रस्तुति की खुलकर प्रशंसा की। हर स्टॉल पर बच्चों की मेहनत, रचनात्मकता और टीमवर्क का प्रभाव स्पष्ट दिख रहा था। विद्यालय के चेयरमैन ने सभी अतिथियों, अभिभावकों व छात्रों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियाँ छात्रों के समग्र विकास और भविष्य की तैयारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कार्यक्रम में मंच संचालन अमृत कोर ने किया

इस अवसर पर उप प्राचार्य एस बी शाहा, किड्स स्कूल निदेशक आनंद कुमार, प्रवीण दुबे, सुधांशु दुबे, समन्वयक अमरेंद्र कुमार, रोजाना प्रवीण, निकिता गुप्ता, रोशन राज, एकता सहाय, विकास विश्वकर्मा, श्याम किशोर पांडे समेत समस्त शिक्षक सक्रिय रहे।

बैठक में यह भी रेखांकित किया गया कि पूर्व से स्थापित हनुमान मंदिर अब जीर्ण अवस्था में है, जिसे सुदृढ़ कर पुनः भव्य स्वरूप प्रदान किया जाना आवश्यक है। श्रद्धालुओं की सुविधा और धार्मिक गतिविधियों को व्यवस्थित करने के लिए मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण और संरचनात्मक सुधार को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया। निर्धारित कार्यों को दिशा देने और उनकी नियमित निगरानी के लिए एक स्थाई समिति का गठन किया गया। पं. कुंडल तिवारी को समिति का संरक्षक नामित किया गया, जबकि विभिन्न जिम्मेदारियाँ इस प्रकार सौंपी गईं- जयनंदन

पांडेय - अध्यक्ष, सुरेन्द्र प्रसाद - सचिव, उमाशंकर गुप्ता - उप सचिव, नंदलाल प्रसाद - कोषाध्यक्ष, जितेन्द्र अग्रवाल - उप कोषाध्यक्ष, मंदिर निर्माण और जीर्णोद्धार को लेकर ग्रामीणों और स्थानीय श्रद्धालुओं में उत्साह देखा गया। समिति सदस्यों ने कहा कि यह धार्मिक स्थल क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त करेगा और यहां नियमित पूजा-अर्चना तथा धार्मिक आयोजनों का आयोजन सुचारू रूप से हो सकेगा। बैठक में उपस्थित लोगों ने समिति को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया और निर्माण कार्यों को जल्द गति देने पर बल दिया।

चौक बाजार में मंदिर निर्माण समिति बनी, जयनंदन पांडेय को सौंपी कमान

हुसैनाबाद पलामू: हैदरनगर पूर्वी पंचायत के चौक बाजार स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर परिसर में रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वयोवृद्ध विद्वान एवं क्षेत्र के सम्मानित व्यक्तित्व पं. कुंडल तिवारी ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य हनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार और निकट ही प्रस्तावित दुर्गा मंदिर के निर्माण कार्य को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाना था। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि चौक बाजार स्थल पर एक सुसज्जित और भव्य दुर्गा मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। इसके उपरांत यहां स्थायी मां दुर्गा की



प्रतिमा स्थापित की जाएगी, ताकि

स्थानीय श्रद्धालुओं को एक स्थाई

पूजा स्थल उपलब्ध हो सके।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित , राहुल कप्तानी संभालेंगे

तिलक और ऋतुराज शामिल

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए रविवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को मिली है। वहीं नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन में अकड़न के कारण शामिल नहीं किये गये हैं। श्रेयस अय्यर भी फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर है। टीम में तिलक वर्मा और ऋतुराज गायकवाड़ को भी शामिल किया गया है। दक्षिया अफ्रीका-ए के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी के कारण ऋतुराज को टीम में जगह मिली है। वहीं तिलक को भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में शानदार बल्लेबाजी के कारण एकदिवसीय में जगह दी गयी है। ऋतुराज ने भारत के लिए 6 और तिलक ने 4 एक-दिवसीय मुकाबले खेले हैं. ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत भी एकदिवसीय दल में शामिल हैं। 15 सदस्यीय टीम में अनुभवी विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी रखा गया है। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, और अक्षर पटेल को टीम में जगह नहीं मिली है। टीम इस प्रकार है : केएल राहुल (कप्तान/विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, ऋतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अशंदीप सिंह और ध्रुव जुरेल. सीरीज का पहला मुकाबला 30 नवंबर को रांची में होना है। दूसरा 3 दिसंबर को रायपुर में और तीसरा 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा।

हेड की पारी देखकर शास्त्री को याद आया 2023 एकदिवसीय विश्वकप

पर्थ

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने एशेज सीरीज के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी कर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाने वाले बल्लेबाज ट्रेविस हेड की जमकर प्रशंसा की है। इसी के साथ ही शास्त्री ने साल कप 2023 के एकदिवसीय विश्वकप फाइनल को भी याद किया जब हेड के कारण ही भारतीय टीम के हाथ से खिताब निकल गया था। शास्त्री ने कहा कि जैसा हेड ने भारत के खिलाफ किया था वैसा ही उसने अब इंग्लैंड से किया है। हेड ने एक ऐसी पारी पर्थ में खेली, जिसे इंग्लैंड की टीम कई साल तक भूल नहीं पायेगी। दूसरे ही दिन एक ही सत्र में हेड ने शतक लगाकर अपनी टीम का जीत दिला दी। शास्त्री ने सोशल मीडिया में लिखा, हेड दो साल पहले आपने मेरे देश को शत करा दिया था और आज, आपने फिर से वही इंग्लैंड के खिलाफ खेल के सबसे बड़े प्रारूप में किया है। आक्राम अंदाज में, एक शानदार पारी खेली। हेड की लेकर शास्त्री ने विश्व कप 2023 फाइनल में खेली गई पारी को भी याद किया , जब उन्होंने अपनी टीम को कठिन हालातों में से निकालकर जीत दिला दी थी। हेड की पारी के कारण ही लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय टीम को अपनी ही धरती पर हार का सामना करना पड़ा था। हेड ने इस बार इंग्लैंड के खिलाफ केवल 69 गेंदों में शतक लगा दिया जो आज के दौर का सबसे तेज टेस्ट शतक है। हेड पारी की शुरुआत करते हुए उतरे और इंग्लैंड के गेंदबाजों पर टूट पड़े। वह इस मैच में सीमित ओवरों के मैच की तरह खेलते दिखे , हेड ने अपनी पारी के दौरान 83 गेंदों में 16 चौके और 4 छक्कों की मदद से 123 रन बनाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 148.19 का था। उनके आक्रमक का विरोधी टीम के पास कोई जवाब नहीं था।

शुभमन गर्दन की चोट के कारण एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर हुए

टी20 सीरीज में भी खेलना संदिग्ध

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के नए युवा कप्तान शुभमन गिल गर्दन की अकड़न से अब तक नहीं उबर पाये है। इसी कारण वह गुवाहाटी टेस्ट से भी बाहर हैं। अब शुभमन 30 नवंबर से होने वाली 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर हो गये हैं। माना जा रहा है कि शुभमन की गर्दन की अकड़न सामान्य नहीं है और उन्हें अभी आराम करना होगा। टीम प्रबंधन उन्हें जल्दबाजी में मैदान में उतारकर जोखिम नहीं लेना चाहता। शुभमन की अभी एमआरआई सहित कई अन्य जांच चल रही है। इसमें पता लगाया जा रहा था कि उनकी चोट मांसपेशियों की चोट है या नस से संबंधित समस्या है, जिसे अधिक आराम की जरूरत है। चयनकर्ताओं को उनके टी20 सीरीज तक फिट होने की उम्मीद है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुभमन ने मुंबई के एक विशेषज्ञ डॉ. अभय नेने से परामर्श किया है। ये भी कहा गया है कि मेडिकल रिपोर्ट के परिणाम चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर को भेजे गए हैं। वहीं ये भी कहा गया है कि शुभमन अगले 9 दिसंबर से शुरू होने वाली टी20आई सीरीज में भी शायद ही खेल पायें। बीसीसीआई के अनुसार शुभमन को उनके लक्षणों को कम करने के लिए एक इंजेक्शन दिया गया है और उन्हें रिहैब, ट्रेनिंग और मैदान पर लौटने से पहले आराम करने को कहा गया है। शुभमन को पहले टेस्ट के दौरान बल्लेबाजी करते समय गर्दन में अकड़न आ गयी थी इसी कारण वह दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे थे।

ऋषभ को अंपायरों ने दी चेतावनी, फिर हुई गलती तो भारतीय टीम पर लगेगा जुमानां गुवाहटी

यहां जारी दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अंपायरों ने दूसरी बार भारतीय टीम के कप्तान ऋषभ पंत को चेतावनी दी है। ऐसे में अब अगर ऋषभ फिर से गलती करते हैं तो भारतीय टीम पर जुमानां लगाया जाएगा। अंपायरों ने ओवरों के बीच तय समय से ज्यादा समय लेने के लिए कप्तान को चेताया है। धीमी ओवर गति के लिए भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे ऋषभ को ये चेतावनी दी है। ऋषभ को दूसरी चेतावनी अंपायर रिचर्ड केटलबोरो ने 88वें ओवर के शुरू होने से पहले दी। इसका कारण ये है कि जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव के ओवर के बीच कप्तान ने फील्डिंग जमाने में अधिक समय लगा दिया था। ऐसे में अगर कप्तान फिर से टाइम खराब करते हुए पाये जाते हैं तो उन पर 5 रन का जुमानां लगाया जा सकता है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के खाले में ये रन जुड़ जाएगी। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 6 विकेट के नुकसान पर 247 रन बनाये थे। उसे शीर्ष बल्लेबाजों एडन मार्करम, रायन रिक्लटन, ट्रिस्टन स्टब्स और टेंबा बावुमा सभी ने अच्छी शुरुआत की हालांकि कोई वे बड़ी पारी नहीं खेल पाये।

पहला टेस्ट हारकर भी कई बार संभला है भारत

पांच दशक का रिकॉर्ड बताता है असली ताकत

नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट की सीरीज के पहले मुकाबले में भारत को मिली करारी हार ने टीम की घरेलू बादशाहत पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

ईडन गार्डन्स में 124 रन का छोटा लक्ष्य हासिल न कर पाना और 93 पर ढेर हो जाना इस बात का संकेत है कि अब टीम इंडिया अपने घर में भी अजेय नहीं रही। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ गौतम गंभीर की कोचिंग में भारत को क्लीन स्वीप झेलना पड़ा था। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि क्या भारत एक बार फिर वापसी कर सकता है? पिछले पचास वर्षों में भारत कई बार ऐसी स्थिति से बाहर आया है। 1972 से अब तक सात घरेलू टेस्ट सीरीज ऐसी रही हैं, जिनमें टीम इंडिया पहला टेस्ट हारकर 0-1 से पिछड़ गई थी। इनमें से छह मौकों पर भारत ने न सिर्फ हार से बचा,



बल्कि पांच बार सीरीज जीतकर जोरदार वापसी की, जबकि एक बार मुकाबला ड्रा रहा। केवल 2024 की न्यूजीलैंड सीरीज में भारत पहला टेस्ट हारकर अंत में सीरीज भी हार गया। कब-कब भारत ने हार से

वापसी की? इंग्लैंड 1972-73 : दिल्ली में पहला टेस्ट हारकर भारत 0-1 से पीछे था। कोलकाता और चेन्नई में शानदार जीत दर्ज कर टीम ने सीरीज में 2-1 की बढ़त बनाई। इसके बाद आखिरी दो टेस्ट ड्रा हुए और

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26: नितीश राणा बने दिल्ली के कप्तान

इशांत-सैनी फिटनेस टेस्ट पर निर्भर

नई दिल्ली। दिल्ली के अनुभवी बल्लेबाज नितीश राणा को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) 2025-26 के लिए टीम की कप्तानी सौंप दी गई है। वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स के युवा स्पिनर दिग्वेश राठी को इस बार टीम में जगह नहीं मिल पाई है। टूनामेंट 26 नवंबर से शुरू होगा और दिल्ली अपने सभी मुकाबले अहमदाबाद में खेलेगी। इस बार दिल्ली को एलीट ग्रुप डी में रखा गया है, जिसमें कर्नाटक, झारखंड, तमिलनाडु, राजस्थान, सौराष्ट्र, उत्तराखंड और त्रिपुरा जैसी टीमें शामिल हैं। दिल्ली ने अब तक इस ट्रॉफी को केवल एक बार, वर्ष 2017-18 में जीता है, जब टीम का नेतृत्व प्रदीप सांगवान कर रहे थे। नितीश राणा पहली बार दिल्ली की ओर से एसएमएटी में उतरेंगे। इससे पहले वह उत्तर प्रदेश की ओर से घरेलू



सर्किट में खेलते रहे हैं। रणजी ट्रॉफी के पहले चरण में भी उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली थी। एसएमएटी में कप्तानी के अलावा राणा आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स का भी हिस्सा होंगे, जहां वे राजस्थान रॉयल्स से ट्रेड होकर आए हैं। हाल ही में दिल्ली प्रीमियर लीग में उनका प्रदर्शन शानदार रहा, जहाँ उन्होंने 134, 45 और 79*

रनों की पारियों के साथ वेस्ट दिल्ली लॉयर्स को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। फास्ट बॉलिंग विभाग में दिल्ली ने वरिष्ठ गेंदबाज इशांत शर्मा और नवदीप सैनी को टीम में शामिल किया है, लेकिन दोनों का अंतिम चयन फिटनेस पर निर्भर करेगा, क्योंकि वे हाल की चोटों से उबर रहे हैं। वहीं, तेज गेंदबाज हर्षित राणा का चयन भारत की दक्षिण

जनवरी में फाइनल होगी टी20 विश्व कप 2026 की भारतीय टीम

अफ्रीका सीरीज चयन के लिए आखिरी मौका

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम का चयन जनवरी में लगभग तय हो जाएगा। बीसीसीआई के सूत्रों के अनुसार, अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज और आगामी विश्व कप के लिए लगभग एक जैसी टीम चुन सकती है। यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आ-ईसीसी नियमों के तहत किसी भी टीम को टूनामेंट शुरू होने से एक महीने पहले अंतिम 15 खिलाड़ियों की सूची भेजनी होती है। आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 का कार्यक्रम अभी घोषित नहीं हुआ है, लेकिन यह टूनामेंट सात फरवरी से शुरू होना तय माना जा रहा है। ऐसे में जनवरी में चुनी गई टीम ही भारत की विश्व कप स्क्वाॅड का आधार होगी। यदि जरूरत पड़ी तो समयसीमा के भीतर अंतिम बदलाव किए जा सकते हैं। भारत को विश्व कप से पहले केवल 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं, इसलिए चयनकर्ता टीम में बड़े बदलाव करने के मूड में नहीं हैं, बशर्ते कोई खिलाड़ी चोटिल न हो। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी, जबकि बाकी मैच रायपुर (23 जनवरी), गुवाहाटी (25 जनवरी), विशाखापत्तनम (28 जनवरी) और िवेडम (31 जनवरी) में खेले जाएंगे। यह सीरीज विश्व कप से पहले टीम इंडिया की आखिरी टी20



चुनौती होगी। इससे पहले भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज 9 दिसंबर से 19 दिसंबर तक खेले जाएंगी। पहला मुकाबला कटक में आयोजित होगा। यह श्रृंखला भी चयन प्रक्रिया का अहम हिस्सा है, क्योंकि कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव कुछ खिलाड़ियों को रखने का अंतिम मौका यही पर पाएंगे। दोनों के लिए यह सीरीज विश्व कप की तैयारी और अंतिम टीम संरचना तय करने का ड्रेस रihर्सल मानी जा रही है। वेस्टइंडीज और अमेरिका में आयोजित 2024 विश्व कप में रोहित शर्मा की कप्तानी में खिताब जीतने के बाद अब भारत का लक्ष्य 2026 में घर में ट्रॉफी बरकरार रखने का होगा। भारत और श्रीलंका इस टूनामेंट की संयुक्त मेजबानी करेंगे, जिससे टीम इंडिया के सामने घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने का अवसर रहेगा।

साउथ अफ्रीका को झटका : कगिसो रबाडा भारत दौरे से बाहर

नई दिल्ली

कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट में भारत पर 30 रन से यादगार जीत हासिल करने के बाद साउथ अफ्रीका को बड़ा झटका लगा है। टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा पसलियों की चोट के कारण न केवल गुवाहाटी में होने वाला दूसरा टेस्ट बल्कि पूरी व्हाइट-बॉल सीरीज से बाहर हो गए हैं।

पहले टेस्ट की कठिन पिच और लंबे स्पेल के बाद रबाडा की चोट बढ़ गई, जिससे उनकी उपलब्धता पर संकट गहरा गया। यह स्थिति उस समय आई है जब साउथ अफ्रीका भारतीय सर्जमों पर ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीतने की दहलीज पर खड़ा है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने आधिकारिक



बयान जारी कर रबाडा की स्थिति स्पष्ट की। बयान के अनुसार, उनकी पसलियों में लगातार दर्द बना हुआ है और मेडिकल टीम ने उन्हें तत्काल आराम की सलाह दी है।

सीएसए ने कहा कि रबाडा को शेष भारत दौरे से हटाया जा रहा है और वह साउथ अफ्रीका लौटकर मेडिकल टीम की देखरेख में चार सप्ताह के रिहैब प्रोग्राम की शुरुआत करेंगे।

भारत ने सीरीज अपने नाम की।

ऑस्ट्रेलिया 2001 : घरेलू क्रिकेट के इतिहास की सबसे यादगार सीरीज। मुंबई में पहला टेस्ट हारने के बाद भारत ने कोलकाता में ऐतिहासिक कमबैक किया, फिर चेन्नई में रोमांचक जीत के साथ 2-1 से सीरीज पर कब्जा किया। दक्षिण अफ्रीका 2009-10 : नागपुर में पारी से हारने के बाद भारतीय टीम पर सीरीज बचाने का दबाव था। हरभजन सिंह की अगुवाई में ईडन गार्डन्स में शानदार गेंदबाजी से भारत ने मेहमानों को ध्वस्त किया और मुकाबला 1-1 से बराबर कर सीरीज ड्रॉ करा ली। ऑस्ट्रेलिया 2016-17 : पुणे में 333 रन से शर्मनाक हार के बाद भारत ने बेंगलुरु में दमदार वापसी की और धर्मशाला टेस्ट जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम की। इंग्लैंड 2020-21 : चेन्नई टेस्ट में 227 रन से हारने के बावजूद भारत ने लगातार तीन मैच जीतकर सीरीज 3-1 से जीती।

इंग्लैंड 2023-24 : हैदराबाद में बाजबॉल के सामने पहली हार के बाद भारत ने वाइजैक, राजकोट, रांची और धर्मशाला में जीत की झड़ी लगाकर सीरीज 4-1 से जीत ली।

यह 112 साल में पहली बार हुआ कि किसी टीम ने पांच टेस्ट की सीरीज 4-1 से जीती हो, जबकि पहला मैच हारा हो। 1972 से अब तक भारत ने घरेलू मैदान पर पहला टेस्ट हारने के बाद पांच बार सीरीज जीत में बदल दिया है और एक बार ड्रॉ कराया है। एकमात्र अपवाद न्यूजीलैंड के खिलाफ 2024 की 3-0 की क्लीन स्वीप है। यह रिकॉर्ड बताता है कि भारतीय टीम दबाव में खेलने की महारत रखती है और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी वापसी की उम्मीद पूरी तरह जिंदा है।

दूसरा टेस्ट : मुथुसामी,यानसन की अच्छी बल्लेबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने बनाये 489 रन

भारत ने बिना किसी नुकसान के 9 रन बनाये

गुवाहाटी। सेनुरन मुथुसामी के शतक और मार्को यानसन के अर्धशतक से दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 489 रन बनाये। इसके बाद भारतीय टीम ने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 9 रन बना लिए थे। स्टंप के समय केएल राहुल 2 और यशस्वी जायसवाल 7 रन पर खेल रहे थे। इससे पहले कुलदीप यादव ने यानसन 93 को आउट कर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी का 489 के स्कोर पर अंत कर दिया। कुलदीप ने 152वें ओवर की पहली गेंद पर यानसन को आउट कर दिन का अपना यह पहला विकेट लेकर मेहमान टीम की पारी 489 रन पर समेट दी। यानसन ने 91 गेंदों में सात छक्के मारे और छह चौके लगाते हुए 93 रनों की पारी खेली। वहीं कुलदीप ने चार विकेट लिए जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को दो-दो विकेट मिले। मोहम्मद सिराज ने सेनुरन मुथुसामी को आउट किया। मुथुसामी ने 206 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए 109 रनों की पारी खेली। वहीं जसप्रीत बुमराह ने साइमन हार्मर को पांच रन पर आउट कर दिया। पहले सत्र में , सेनुरन मुथुसामी और काइल वेरेन की जोड़ी ने सातवें विकेट के लिए 88 रन जोड़े। जडेजा ने काइल वेरेन को आउटकर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। काइल वेरेन ने 122 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 45 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये माकर यानसन ने सेनुरन मुथुसामी के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे।

लक्ष्य ने जापान के तनाका को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन खिताब जीता

सिडनी

भारत के लक्ष्य सेन ने यहां खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूनामेंट को जीत लिया है। लक्ष्य ने 475,000 लाख डॉलर की इनामी राशि वाले इस टूनामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जापान के 26 वर्षीय युशी तनाका को फाइनल में 21-15, 21-11 से हराया। ये मुकाबला 38 मिनट ही चला। लक्ष्य ने तनाका को सीधे गेमों में हराकर पिछले कुछ समय से मिल रही असफलता को पीछे छोड़ दिया है। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद भी लक्ष्य पिछले कुछ समय में सफल नहीं रहे थे पर इस जीत से तय है कि उन्होंने एक बार फिर लय हासिल कर ली है। लक्ष्य ने जापान के तनाका पर मिली जीत के बाद कार्नों में उंगलियां डालकर जश्न मनाया। इससे अंदाजा होता है कि वे खिताब उनके लिए कितना अहम है। इस जीत के साथ लक्ष्य ने लगभग दो



साल बाद सुपर 500 स्तर पर टू-प्ी जीती है। इससे पहले उन्होंने 2024 में लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल (सुपर 300) जीता था पर कनाडा ओपन के बाद से ही वह किसी बड़े टूनामेंट में शीर्ष पर नहीं पहुंच पाए थे। इस सत्र में विश्व टूर जीतने वाले लक्ष्य सेन केवल दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले आगुष शेड्डी ने अमेरिकी ओपन सुपर 300 में अपना पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता था। सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और चिराग शेड्डी भी इस साल कई फाइनल तक पहुंचे वहीं जबकि

किदांबी श्रीकांत मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे। ऐसे में लक्ष्य की यह जीत भारतीय बैडमिंटन में उर्जा का संचार करेगी। फाइनल में लक्ष्य ने आक्रामक और संयमित खेल दिखाकर अपनी बढ़त बनाये रखी। 6-3 की शुरुआती बढ़त के बाद उन्होंने जापानी विरोधी की लगातार गलतियों का लाभ उठाया। इस दौरान दर्शकों ने भी उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने तनाका को रैलियों में बांधे रखा, जिससे विरोध खिलाड़ी का संभलने का अवसर ही नहीं मिला। दूसरे गेम में लक्ष्य ने अपना स्तर और ऊपर उठाया।

टीम मैनेजमेंट किसी भी कीमत पर उनकी लंबी अवधि की फिटनेस से समझौता नहीं करना चाहता, खासकर भविष्य की महत्वपूर्ण सीरीज को ध्यान में रखते हुए।

इस चोट के चलते साउथ अफ्रीका का गेंदबाजी आक्रमण मुश्किल में जरूर आया है, लेकिन टीम ने पहले ही रबाडा के विकल्प के रूप में लुंगी एनगिंडी को शामिल कर लिया था। अब एनगिंडी की भूमिका निर्णायक हो सकती है। कोलकाता टेस्ट जीतने वाली प्लेइंग इलेवन काफी संतुलित थी, इसलिए दूसरे टेस्ट में बड़े बदलाव की संभावना कम है, लेकिन गुवाहाटी की पिच और मैच की परिस्थितियों को देखते हुए एनगिंडी को मौका मिलना तय माना जा रहा है। उनकी की देखरेख में चार सप्ताह के रिहैब प्रोग्राम की शुरुआत करेंगे।

कप्तान टेम्बा बावुमा के पास एक प्रभावी विकल्प मौजूद रहेगा। रबाडा की अनुपस्थिति साउथ अफ्रीका के लिए बड़ा नुकसान है, क्योंकि उन्होंने पहले टेस्ट में अपनी आक्रामक गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशान किया था।

अब टीम को न केवल उनकी कमी पूरी करनी होगी, बल्कि अपने बॉलिंग अटेक को नए सिरे से संतुलित भी करना होगा। दूसरी ओर, यह स्थिति भारत के लिए राहत का मौका हो सकती है, क्योंकि रबाडा की धार ने पहले मैच में भारत की बल्लेबाजी को बैकफुट पर धकेल दिया था। गुवाहाटी में होने वाला दूसरा टेस्ट अब दोनों टीमों के लिए और भी दिलचस्प हो गया है, जहां साउथ अफ्रीका बहुत बरकरार रखने की कोशिश करेगी और भारत वापसी का मौका तलाशेगा।



हल्दी एवं अदरक

प्रसंस्करण विधियां

खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (वलम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है।

हल्दी की फसल की खुदाई पौधों में लगे हुए पंजों के सूखकर गिर जाने पर की जाती है। खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र (ड्रिपिंग फोर्क) की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (वलम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है। हल्दी के पंजे में दो प्रकार की गांठें मिलती हैं-

- पंजे के मध्य में एक ज्यादा मोटी एवं सख्त गांठ जिसका आकार खैलक जैसा होता है इसे मातु प्रकंद कहते हैं और
- पतली उंगलियाँ जैसी 8 से 15 तक प्रकंद, जिनको पुत्री प्रकंद कहते हैं। खुदाई के तुरंत बाद इन दोनों प्रकार की गांठों को अलग-अलग कर लिया जाता है। मातु प्रकंद का उपयोग सामान्यतः अगली फसल की बुवाई के लिए किया जाता है। पुर्वाई से अधिक मात्रा लेने पर इसका अलग से प्रसंस्करण करते हैं। पुत्री प्रकंद को भी खेने के लिए संशोधित किया जाता है और अतिरिक्त मात्रा को प्रसंस्कृत किया जाता है।

हल्दी का प्रसंस्करण

हल्दी के मातु एवं पुत्री प्रकंदों का प्रसंस्करण चार अवस्थाओं में पूर्ण किया जाता है।

उवालना

हल्दी के प्रकंदों को उवालने के लिये मिट्टी के बर्तन अथवा खेने के बड़े व कम गहरे बर्तनों का प्रयोग किया जाता है। यदि गुड़ बनाने वाली उधरों कड़वी हो तो उसका भी प्रयोग किया जा सकता है। इस बर्तन में हल्दी रखने के चार इसमें पानी भरा जाता है जिससे कि स्त्री प्रकंद अच्छी तरह से डूब जाये। इसके बाद हल्दी को पनियों की एक छोटी परत से प्रकंद को ढांक दिया जाता है।

सुखाना

हल्दी के उबले हुए प्रकंदों को पानी से बाहर निकालकर पतली परतों से फेंके फेंके में फैलाकर सूर्य तप में सुखाया। सामान्यतः ठंडकी हवा में सुखाने में 7 से 10 दिन लग जाते हैं। सुखाने पर प्रकंद सख्त और कड़क हो जाते हैं जिनको तैलुने पर एक धातविक आवाज आती है।

छिलके उतारना

अब इन सुखे हुए प्रकंदों के ऊपरी सतह में लगे छिलकों को कठोर फर्श में रगड़ कर या बॉस में कनी चटाई या टोकनी में रगड़कर हटाया जाता है। ऐसा करने से प्रवाद चिकने, साफ और चमकदार हो जाते हैं। हल्दी की मात्रा अधिक होने पर छिलके उतारने का कार्य मशीन द्वारा किया जाता है।



इसमें चुने का पानी या सोडियम वाई-कार्बोनेट या सोडियम कार्बोनेट का घोल मिलाने से पैपार हल्दी का रंग अत्यधिक चमका बनता है। अब हल्दी को उवालने की क्रिया प्रारंभ की जाती है। हल्दी को धीमी आंच में तब तक उवाला जाता है जब तक कि उसमें झाग और हल्दी की खुशबू न आने लगे। बीच-बीच में दो-चार प्रकंदों को बाहर निकालकर उनको उंगलियों से दबाकर उनके मुलायम हो जाने की परीक्षा की जाती रहती है। जब प्रकंद मुलायम होकर उंगलियों से दबने लगे, तब उवालने की क्रिया बंद कर दें।



मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन में संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है।

मत्स्य उत्पादन के संसाधन

प्रदेश में मछली पालन के लिये कुल 1,589 लाख है। जलक्षेत्र उपलब्ध है। जिसमें अब तक कुल 1,432 लाख है। जलक्षेत्र विकसित किया जा चुका है। इसमें ग्रामीण तालाबों के कुल जलक्षेत्र 0.735 लाख है। जलक्षेत्र में से 0.636 लाख है। जलक्षेत्र का विकास कर मत्स्य पालन के अंतर्गत लावा जा चुका है।

मिश्रित मछली पालन

मिश्रित मछली पालन व्यवसाय को जलकर युवकों के लिये आर्थिक स्थिति में सुधार करने हेतु एक महत्वपूर्ण साधन है। मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन में संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी

दिया जाता है। सामान्यतः मिश्रित मछली पालन में पाली जाने वाली प्रजातियाँ कलत्ता, राहु, मृगल, कामनकार्प, ब्रास कार्प, सिल्वर कार्प हैं। वर्तमान में मिश्रित मछली पालन ग्राम पंचायतों के तलाबों में किया जा रहा है। परंतु खाद एवं परिपूरक आहार न देने के कारण उत्पादन में समुचित वृद्धि नहीं हो रही है। अतः स्वयं की भूमि में जलवायु निर्माण कराकर व उनमें, मिश्रित मछली पालन कर, लगभग 6000-8000 किग्रा/हेक्टर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। प्रदेश में वर्ष 2007-2008 तक स्वयं की भूमि में नवीन तालाब कुल 1834 लाख जलक्षेत्र 1240.51 हेक्टर का निर्माण कर मिश्रित मछली पालन आधुनिक तरीके से किया जा रहा है।

एकीकृत मछली पालन

एकीकृत मछली पालन का पालन का आशय मछली पालन के साथ-साथ दूसरे उत्पादन जैसे बतख पालन, मुर्गीपालन, सूकर पालन एवं कृषि बागवानी के साथ समन्वय से है। मिश्रित मछली पालन में जैविक एवं रसायनिक खाद तथा परिपूरक आहार के

प्रयोग से अधिक उत्पादन के साथ-साथ उत्पादन मूल्य भी बढ़ जाता है। इस आर्थिक समस्या के समाधान के मछली पालन को विभिन्न हवाईयों जैसे- मुर्गी, बतख, कृषि बागवानी, मवेशी पालन के साथ जोड़ने की व्यवस्था की जाती है। जिससे कृषकों को मछली पालन से अन्य के साथ-साथ अन्य उत्पादों के समन्वय से अतिरिक्त आय मिलती है। इस अंतरबद्धता के कारण मवेशी पालन, बागवानी या कृषि से परिलक्ष्य पदार्थों का उपयोग मछलियों के लिए परिपूरक आहार या खाद के रूप में उपयोग होता है तथा दूसरी ओर तालाब के जल तथा उसके बंध और मछली पालन से उत्पन्न वर्षा पदार्थों का उपयोग कृषि एवं मछली पालन में किया जाता है। ऐसी व्यवस्था से लगत खर्च में काफी कमी आ जाती है।

वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश में वर्ष 2008-09 तक कुल 3552 एकीकृत मत्स्य पालन की इकाइयाँ स्थिति की जा चुकी हैं। जिसमें कायस सह मछली पालन की 1101 इकाइयाँ स्थिति की गई हैं। इसी तरह मुर्गी

मत्स्य पालन

से बढ़ेगा मुनाफा

सह मछली पालन की 881 इकाईयें, सूकर सह मछली पालन की 222, फलोद्यान सह मछली पालन की 424, देवरी सह मछली पालन की 272, धान सह मछली पालन की 446, एवं बकरी सह मछली पालन की 206 इकाईयें स्थिति की जा चुकी हैं। मत्स्य कृषकों के रुझान को देखते हुए बतख सह मछली पालन एवं मुर्गी सह मछली पालन एवं फलोद्यान सह मछली पालन छत्तीसगढ़ में

उपयोग होता है। बतख सह मछली पालन में प्रति हेक्टर 1 वर्ष में 400 किग्रा मछली, बतख से 15000 अण्डे तथा 500 किग्रा बतख के मांस का उत्पादन किया जा सकता है। इस प्रकार से मछली पालन में न तो जलक्षेत्र में कोई खद, उर्वरक डालने की आवश्यकता है और न ही मछलियों को पुरक आहार देने की आवश्यकता है। मछली पालन पर लगने वाली लागत में 50-60 प्रतिशत की कमी हो जाती है।

अपने भोजन का 50 प्रतिशत भाग जलक्षेत्र से ही प्राप्त हो जाता है। तालाब में बतख के तैरते रहने से वायुमंडल की आक्सीजन पानी भी मिलती रहती है। इसी प्रकार बतख सह मछली पालन से तालाब में अतिरिक्त खाद डालने की आवश्यकता नहीं पड़ती है एवं बतखों को साफ सूर्यवत परिवेश एवं उत्तम प्राकृतिक भोजन भी उपलब्ध हो जाता है। प्रति हेक्टर 200-300 नग बतख रखना पर्याप्त होता है।

मुर्गी पालन में भी पोल्ट्री लीटर को पोंछर में खाद के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। मुर्गी सह मछली पालन से प्रति हेक्टर वर्ष 60,000 अंडे, 500-600 किग्रा, मुर्गी का मांस तथा 3500 किग्रा मछलियों का उत्पादन किया जाता है। 1 हेक्टेयर के लिए 500 मुर्गियाँ रखना पर्याप्त होता है। एकीकृत मछली सह मुर्गी पालन में मछली, मुर्गी के अण्डे तथा मांस की प्रति से अधिक आय होती है तथा तालाबों में मछलियों के लिये अतिरिक्त फीड देने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मुर्गियों द्वारा विखरित बखरी पदार्थों में पाये जाने वाले नाइट्रोजन तथा पदार्थों से इसको पूर्ण हो जाती है। फलोद्यान सह मछली पालन में तालाब के मेढ पर अरहर, टमाटर, कुंदरु, तेल पुक सब्जियाँ, पत्ताई, भाँट, मिर्च, लहसुन, फूलों के पौधे आदि लगाये जा सकते हैं जिससे किसान सम्पूर्ण क्षेत्र का समुचित उपयोग कर अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।



सबसे अधिक उपयोगी पाया गया है। एकीकृत मत्स्य पालन के अंतर्गत बतख सह मछली पालन से प्रोटीन उत्पादन के साथ-साथ बतखों के मलमूत्र का उचित

पाली जाने वाली मछलियाँ एवं बतख एक दूसरे के अनुपूरक होती हैं। बतखों पोंछर के कोड़े, फलोड़े, टेंडरफूल, गोम, जलीय वनस्पति पर निर्विषण रहती है। बतखों को



... तो खास होगी

पुदीना की फसल

काता कीट : पुदीना की वेहतर फसल लेने के लिए कीटों को पहचानना और उन्हें नियंत्रित करना वेहद जरूरी है. प्रमुख कीट और उनका नियंत्रण उपाय निम्नानुसार है :-

यह काले रंग का बीटल होता है। विकसित कीट 5-7 मिलीमीटर लम्बा होता है। पौधों के जब केवल 5-7 पत्तियाँ निकली होती हैं तो यह बीटल उनकी सभी पत्तियों को काटकर खा जाता है। मैसाधियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।

सफेद मक्खी

यह पौधों की निचली पत्तियों पर नीचे की सतह पर रहती है। यह पौधों से रस चूसती है तथा कीट विभिन्न प्रकार के गिणायु भी एक पौधे से दूसरे पौधे में पहुँचती है।

नियंत्रण

मैसाधियान 200 से 400 मिली या मैसाधियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में मिलकर छिड़काव करना चाहिए।

सेमीलूपर

सूड़ी पत्तियों को काटकर खाती है और गोल या टेढ़ा छेद बनाती है।

नियंत्रण

मैसाधियान 200 से 500 मिलीलीटर या डिमिथाथोस 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।

लेस बग

यह कीट भूरे-काले रंग के होते हैं जिनके पंखों पर स्पष्ट रोये और जाल की तरह निशान बना होता है। जिसके कारण इसे लेस बग के नाम से जाना जाता है। कीट का घोंघ और विशु पुदीने की कोमल पत्तियों के रस को चूसते हैं जिससे पत्तियों का रंग पीला पड़ने लगता है। ये कीट काले रंग का पदार्थ अपने शरीर से निजावले हैं। जिससे पत्तियों दूर से जलई हुयी दिखाई देती है। इसके इलाके से बड़ाया रुक जाती है और उत्पादन बहुत कम हो जाता है।

नियंत्रण

डायमिथोए 300-500 मिलीलीटर का घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल को बचाया जा सकता है।

माहू

कीट कोमल तनों और ऊपरी निकलने वाली पत्तियों के रस लगकर रस चूसते हैं। इससे पौधों का पीला धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है। कभी पौधों में झुलसा रोग भी इस कीट के कारण फैलता है।



सशक्ति समाचार

भिखारियों का देश का बना पाकिस्तान! देश में हैं 3.8 करोड़ भिखारी

रोज औसतन कमाई 2000, अमीर मुल्कों में 90 फीसदी पाक भिखारी

इस्लामाबाद,

पाकिस्तान में भीख मांगना अब 42 अरब डॉलर की इंटस्ट्री बन चुका है। इस इंडस्ट्री में शामिल लोगों की संख्या 3 करोड़ 80 लाख के पार हो चुकी है। इतना ही नहीं, पाकिस्तान पूरी दुनिया में भिखारियों का सप्लायर भी बनकर उभरा है। आज सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे अमीर मुल्कों में मौजूद भिखारियों में 90 फीसदी से अधिक पाकिस्तानी हैं। मॉडिया रिपोर्ट के मुताबिक 23 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले पाकिस्तान में 3.8 करोड़ भिखारी हैं। इन भिखारियों की एक बड़ी जादय विदेशों में है। ये भिखारी भीख मांगने के लिए ब्राह्मवन्दा बीज लेकर खाड़ी देशों में जाते हैं। इनमें से अधिकतर भिखारी, मक्का, मदीना, दुबई, सातवाह, अबु धाबी जैसे बड़े शहरों में भीख मांगते हैं। ये देश हर साल बड़े पैमाने पर पाकिस्तानी भिखारियों को पकड़कर डिपोर्ट भी करते हैं। इसके बावजूद इन देशों में पाकिस्तानी भिखारियों की संख्या बहुत ज्यादा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि करांची में एक भिखारी रोज औसतन 2000 रुपए, लाहौर में 1400 रुपए और इस्लामाबाद में 950 रुपए कमाता है। हालांकि पाकिस्तान में प्रति भिखारी ख़ कमाई औसतन 850 रुपए है। शहरों के हिसाब से भिखारियों को कमाई बदलती रहती है। इनमें से ज्यादातर भिखारी पार्किंग स्थलों, सिग्नलों और सड़कों पर घूमकर भीख मांगते हैं। भिखारियों को कड़ती संस्था के कारण इस्लामाबाद और लाहौर में कई सार्वजनिक स्थानों पर भिखारियों को एंट्री पर बैन लगा दिया है। पाकिस्तान में सबसे ज्यादा भिखारी करांची में हैं। करांची में बरीबी, सड़कों की घुरी स्थिति, रोजगार का न होना और आबादी का बहुत ज्यादा बढ़ना प्रमुख कारण है। दूसरे स्थान पर लाहौर है। लाहौर में भिखारियों की ज्यादा संख्या का सबसे बड़ा कारण वहां होने वाली कमाई है। करांची में लोग भिखारियों को सबसे ज्यादा भीख देते हैं। इस्लामाबाद में इनकी संख्या बहुत कम है, क्योंकि सरकारी ऑफिसों, अधिकारियों और राजनेताओं के आवासों, विदेशी गणमान्य नागरिकों की यात्राओं के कारण इस्लामाबाद में भिखारियों पर सख्तों की जाती है।

बांग्लादेश में पाक दे रहा आतंक की ट्रेनिंग, नशीली दवाओं की भी कर रहा तस्करी

नई रिपोर्ट में दावा- चल रहे शिविरों में अब तक 125 से ज्यादा लोगों को दी ट्रेनिंग

ढाका,

बांग्लादेश में युनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पाकिस्तान के साथ गलतबर्हियां भी शुरू कर दी है। दोनों देशों के बीच कई तरह के समझौते हुए हैं और खुलेआम भारत के खिलाफ प्लानिंग भी की जा रही है। हाल ही में एक रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान किस तरह भारत विरोधी कार्यों के लिए बांग्लादेश का इस्तेमाल कर रहा है। एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान न सिर्फ नशीली दवाओं की तस्करी में बांग्लादेश की जमीन का इस्तेमाल कर रहा है, बल्कि इसे भारत के खिलाफ आतंकवादी प्रतिविधियों के लिए हथियार बना रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक आईएसआई के हैंडलर, जिनमें पूर्व पाकिस्तानी सेन्य कमांडो भी शामिल हैं, बांग्लादेश के बंदरबन्द, ब्राह्मनवारिया और मिलहट जिलों में गुप्त प्रशिक्षण शिविर चला रहे हैं। इन शिविरों में अब तक 125 से ज्यादा लोगों को ट्रेनिंग दी गई है, जिनमें 50 से ज्यादा रोहिंग्या बुचक और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों अंसारुल्लाह बांग्ला टीम और हिन्ध उत-तहर-फ़ के सदस्य शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन दूकओं को आईईबी चकमे, गुलिला बुद्धक रणनीति और भारत की सीमा में घुसपैठी की ट्रेनिंग दी जा रही है। खास बात यह है कि ये शिविर भारत-बांग्लादेश सीमा के उन इलाकों में बनाए गए हैं, जहां पेरिस नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश पाकिस्तान को हाइब्रिड वॉरफेयर रणनीति का नया केंद्र बन रहा है, जहां आईएसआई ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की डो-कंपनी के साथ मिलकर नशीली दवाओं की तस्करी और आतंकवादी दलों को खड़ा किया है। 2024 में टाकर में राजनैतिक बदलाव और मोहम्मद युनुस की अंतरिम सरकार के गठन के बाद पाकिस्तान ने इन गतिविधियों को तेजी से आगे बढ़ाया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गिंतव 2024 में पाकिस्तान से आने वाले माल पर अनिवार्य जांच बूट और दिसंबर 2024 में पाकिस्तानी नागरिकों के सुरक्षा मंजूरी नियमों को ढीला करने के बाद आईएसआई के एजेंटों और नशीली दवाओं की तस्करी के लिए रास्ते खुल गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दाऊद की हारदो-आधारित मिडिडेंट अब अफ़गान हेरोइन, मेथ और अन्य सिंथेटिक ड्रग्स को बांग्लादेश के बंदरगाहों के जरिए भारत और अन्य देशों में भेज रही है। अक्टूबर 2025 में चिटगांव पोर्ट पर 25 टन नशीली सामग्री बरामद हुई थी, जिसे बर्द फौड के नाम पर भेज गया था। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की यह रणनीति भारत को घेरने और उसके उत्तर-पूर्व को नशीली दवाओं और आतंकवाद की फेफट में लाने की कोशिश है। सुरक्षा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि क्षेत्रीय स्तर पर गंजबूत कार्रवाई नहीं हुई तो बांग्लादेश दक्षिण एशिया का स्थानी हानाफको-टार हबब बन सकता है, जिससे भारत की आंतीय सुरक्षा और वंचता की खाड़ी की समृद्धी सुरक्षा को ख़ाता पैदा होगा।

ट्रंप के वायफॉट के बाद जी20 घोषणा-पत्र को सभी देशों ने सर्वसम्मति से किया मंज़ूर

जोहान्सबर्ग,

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बावकाट के बावजूद जी20 समिट के पहले दिन सदस्य देशों ने सबउप अक्षीकर के बनाए घोषणा पत्र को सर्वसम्मति से मंज़ूर कर लिया। साउथ अफ़्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने बताया कि सभी देशों का अंतिम बचान पर सहमत होना जल्दरी था, भले ही अमेरिका इसमें शामिल नहीं हुआ। ट्रंप ने आखिरी सेशन में मेजबानी लेने के लिए एक अमेरिकी अधिकारी को भेजने की बात कही थी। मॉडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण अफ़्रीकी अध्यक्षता ने अमेरिकी अधिकारी को भेजबानी सीधेने के प्रस्ताव को नकार दिया। अफ़्रीकी राष्ट्रपति रामफोसा रविवार को जी20 की अगली अध्यक्षता खाली कुर्सी को सौंपे। दरअसल, जी20 समिट को 2026 की मेजबानी अमेरिका को मिलनी है। हालांकि ट्रंप के बावकाट के चलते अमेरिका का कोई भी प्रतिनिधि समिट में शामिल नहीं हुआ। वहीं भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने जी20 समिट के पहले दो रात्रों को संबोधित किया। पहले सेशन में उन्होंने वैश्विक चुनौतियों पर भारत का नज़रिया दुनिया के सामने रखा। उन्होंने कहा कि पुराने डेवलपमेंट मॉडल ने रिसास छीने, इसे बदलना जरूरी है। वहीं समिट के दूसरे रात्र में पीएम ने भारत के श्री अन, जलवायु परिवर्तन, जी20 स्टेलाइट डेटा पार्टनरशिप और डिजिटल रिस्क रिडक्शन पर बात की।

गाजा में युद्धविराम पर फिर संकट, इजरायली हवाई हमलों में 24 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा

गाजा पट्टी में सुबह की गोलीबारी दोपहर तक भयानक हवाई हमलों में बदल गई। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दक्षिणी और मध्य गाजा के कई इलाकों पर एयरस्ट्राइक कीं, जिसमें कम से कम 24 फिलिस्तीनी मारे गए और 80 से अधिक घायल हुए।

गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, ये हमले 10 अक्टूबर से लागू नाज़ुक युद्धविराम को फिर से चुनौती देने नज़र आ रहे हैं। हमाम ने शुरूआत में चेतावनी दी कि अगर इजरायली हमले जारी रहे तो वह समझौते को तोड़ने पर मजबूर हो सकता है, लेकिन बाद में संघटन के एक प्र-वक्ता ने युद्धविराम समाप्त करने की खबरों का खंडन किया। इजरायली प्रधानमंत्री बेज़ाफिम नेतन्याहू के कार्यालय ने दावा किया कि इन स्ट्राइकों में हमाम के पांच वरिष्ठ कमांडर मारे गए। रिपोर्ट के मुताबिक, एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि डॉनल्ड ट्रंप प्रयासन इन कार्रवाइयों का पूर्ण समर्थन करता है। गाजा के हमास-प्रशासित सिविल डिफेंस ने 24 मौतों की पुष्टि की, जबकि युनियेक ने चेतावनी दी कि युद्ध-विराम के दौरान ही हर दिन औसतन दो बच्चे मारे जा रहे हैं। तनाव को शुरूआत दक्षिण गाजा के बली लाइन इलाके से हुई, जहां एक फिलिस्तीनी बंदूकधारी ने इजरायली सैनिकों पर फायरिंग की। आईडीएफ का कहना है कि हमलावर मानवीय



सहायता के टुकों वाले रास्ते से इजरायली सिविल डिफेंस ने 24 मौतों की पुष्टि की, जबकि युनियेक ने चेतावनी दी कि युद्ध-विराम के दौरान ही हर दिन औसतन दो बच्चे मारे जा रहे हैं। तनाव को शुरूआत दक्षिण गाजा के बली लाइन इलाके से हुई, जहां एक फिलिस्तीनी बंदूकधारी ने इजरायली सैनिकों पर फायरिंग की। आईडीएफ का कहना है कि हमलावर मानवीय

सहायता के टुकों वाले रास्ते से इजरायली सिविल डिफेंस ने 24 मौतों की पुष्टि की, जबकि युनियेक ने चेतावनी दी कि युद्ध-विराम के दौरान ही हर दिन औसतन दो बच्चे मारे जा रहे हैं। तनाव को शुरूआत दक्षिण गाजा के बली लाइन इलाके से हुई, जहां एक फिलिस्तीनी बंदूकधारी ने इजरायली सैनिकों पर फायरिंग की। आईडीएफ का कहना है कि हमलावर मानवीय

अमेरिकी एआई शोधकार्य में चीनी अप्रवासियों के महत्वपूर्ण योगदान पर चर्चा हुई आम

मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग की वैज्ञानिक टीम में 7 चीनी वैज्ञानिक शामिल

वाशिंगटन,

अमेरिका वाकई अपने फायदे के लिए किसी भी स्तर पर जा सकता है।

यदि यक़ोन नहीं आए गो एआई रिसर्च टीम में शामिल चीनी वैज्ञानिकों से संबंधित मॉडिया रिपोर्ट को देख सकते हैं, जिनमें बताया गया है कि अमेरिका की एआई (एआई) रिसर्च में चीनी अप्रवासी वैज्ञानिकों के महत्वपूर्ण योगदान को लेकर अमेरिका में चर्चा हो रही है। दरअसल मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग द्वारा घोषित नई सुपर इंटेलिजेंस लैब की 11 वैज्ञानिकों की टीम में से 7 वैज्ञानिक चीन से हैं, जबकि बाकी 4 भारत, ब्रिटेन, साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से हैं। यह दिखाता है कि अमेरिका में हो रहा बड़ा और त्वातिकारी एआई रिसर्च काफी हद तक चीनी वैज्ञानिकों की मदद से आगे बढ़ रहा है। मेटा ही नहीं, बल्कि एप्पल, गूगल, इंटेल, सेल्सफोर्स और मा-



इकोसॉफ्ट जैसी बड़ी अमेरिकी कंपनियों ने भी चीनी संगठनों के साथ मिलकर कई अहम एआई रिसर्च पेपर्स पर काम किया है। मद्ज़्रोस-फिट ने कम से कम 92 अहम पेपर्स में साझेदारी की है। 2020 के एक रिसर्च में अनुमान लगाया गया था कि दुनिया के टॉप-एआई वैज्ञानिकों में लगभग एक-तिहाई चीन से हैं, और इनमें से ज्यादातर अमेरिकी संस्थानों में कार्यरत हैं। 2019 में अमेरिका की यूनिवर्सिटीज और

सिलिकॉन वैली के भीतर चीनी वैज्ञानिकों की भागीदारी को लेकर मौजूद चिंता और इसके फायदे के बीच के छंद को भी उजागर करता है। अमेरिकी अधिकारियों का एक वर्ग चीन को एआई के क्षेत्र में सबसे बड़ा खतरा मानता है। सिलिकॉन वैली में कुछ लोगों की डर है कि चीनी नागरिक अमेरिकी कंपनियों की तकनीक और रिसर्च को चीन सरकार को दे सकते हैं। ट्रंप सरकार द्वारा अपनाई गई सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी और सिलिकॉन वैली में बढ़ती चीन विरोधी भावना भी इस डर का हिस्सा हैं। जानकारी का मानना है कि इन खतरों के बावजूद, चीनी शोधकर्ताओं के साथ काम करने के फायदे कहीं ज्यादा बड़े हैं। जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी की एक्सपर्ट हेलेन टोसर के अनुसार, चीनी प्रतिभाओं पर फव्विलां लगाना अमेरिका को एआई बहाव को नुकसान पहुंचा सकता है और उनके बिना सिलिकॉन वैली वैश्विक दौड़ में पिछड़ सकती है।

आसमान में दिखे ड्रोन दहशत: नीदरलैंड्स ने किया एयरपोर्ट बंद, यूक्रेन ने रूसी हेलिकॉप्टर उड़ाया

एमस्टर्डम,

नीदरलैंड्स के दक्षिणी शहर आइंथोवन एयरपोर्ट पर शनिवार शाम आतंकक ह-डुकंप घम गया।

आसमान में कई ड्रोन दिखाई देने के कारण एयर ट्रैफिक को पूरी तरह रोक दिया गया। डच रक्षा मंत्री रुबेन ब्रेकलबैन्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि ड्रोन की मौजूदगी मिलने के तुरंत बाद सभी उड़ानें कुछ घंटों के लिए निलंबित कर दी गईं। रात करीब 11 बजे स्थिति सामान्य होने पर हवाई वातावरत फिर से शुरू किया गया।आइंथोवन एयरपोर्ट की खासियत यह है कि यह नागरिक और सैन्य दोनों तरह की उड़ानों के लिए इस्तेमाल होता है। यही वजह रही कि ड्रोन दिखते ही सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर आ गईं और हर प्रकार का हवाई यातायात तुरंत बंद कर दिया गया।



एक दिन पहले ही 21 नवंबर को रात डच सेना ने वेल्फेल एयर बेस के ऊपर उड़ते ड्रोन पर हथियारों से हमला किया था। यह सैन्य अड्डा आइंथोवन से मात्र 40 किलोमीटर दूर है। इन लगातार घटनाओं ने यूरोप में ड्रोन खतरों की संभारता को रेखांकित कर दिया है। रक्षा मंत्रालय ने ड्रोन के स्रोत के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी देने से इनकार कर दिया। पिछले कुछ महीनों में यूरोप के हवाई क्षेत्र में अर्न्धकृत ड्रोन

घुसपैठ की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। सितंबर में 20 से अधिक रूसी ड्रोन पोलैंड के एयरस्पेस में घुस आए थे। उसी दौरान रूसी फाइटर जेट ने एस्टोनिया के हवाई क्षेत्र का 12 मिनट तक उल्लंघन किया था। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इन घटनाओं को हाइब्रिड वॉरफेयर का हिस्सा बताया है। इसमें दुश्मन सीधे सैन्य हमला करने की बजाय अस्थिरता और भय पैदा करने की रणनीति अपनाता

है। इसी बीच यूक्रेन ने ड्रोन युद्ध में नया क्रांतिमान स्थापित किया है। यूक्रेनी स्पेशल फोर्सेज ने पहले बार रूस के अंदर डीप स्ट्राइक ड्रोन से उड़ते हुए रूसी एमआई-8 हेलिकॉप्टर को मार गिराया। यह हेलिकॉप्टर करीब 11 मिनटन फाउंड का था। जारी फुटेज में स्पष्ट दिख रहा है कि जैसे ही हेलिकॉप्टर निशाने पर आया, ड्रोन ने उसे हवा में ही ध्वस्त कर दिया। यह हमला रूस के रोस्नोव ओब्लास्ट क्षेत्र में हुआ। यूक्रेन की एफएचआई-35 ने कहा, हम खेल के नियम बदल रहे हैं, अब हम शिकारी बन गए हैं। उन्होंने इसे तकनीक, योजना और पावरफुल की रचनात्मकता का शानदार उदाहरण बताया। इस सफलता ने रूसी सेना को कई अनमुल्य सबलों में उलड़ा दिया है। इसके पहले यूक्रेन की मोबाइल टीम ने मैन-पोर्टेबल सिस्टम से रूसी बैलिस्ट क्रूज मिसाइल को भी बीच हवा में नष्ट कर दिया था।

अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव, वॉरशिप से लेकर फाइटर जेट तक किए तैनात

वाशिंगटन,

अमेरिका के फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन की चेतावनी के बाद छह एयरलाइनों ने वेनेजुएला के लिए अपनी उड़ानों को कैसिल कर दिया है।

इनमें स्पेन की इबेरिया, पुर्तगाल की टोएप्पी, चिली की लातमा, कोलंबिया की एक्विताका, ब्राजील की जीओएल और ब्रिजिस व टोबेगो की कैरोबियन एयरलाइंस शामिल हैं। बहाल ये है कि अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है और शनिवार को ऐसा हुआ जिससे दुनिया में एक नए युद्ध की आहट होने लगी है। फ्लाइटसटार 24 और सिमोन वेलिवार मायकटिवा

इंटरनेशनल एयरपोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, ब्राजील, कोलंबिया और एयर पुर्तगाल की फ्लाइट को उस समय कैसिल किया गया जब वो शनिवार को कराकस से टेक ऑफ करने वाली थीं।

अमेरिका की तरफ से जो नॉटिस जारी किया गया है, उसके अनुसार वेनेजुएला या उसके आसपास सुरक्षा स्थिति बिगड़ रही है और सैन्य गतिविधियों में भी तेजी आई है। नोटिस में कहा गया है कि हर तरह की उंचाई पर एयरक्राफ्ट के लिए खतरा पैदा हो सकता है। हाल के कुछ महीनों में इस इलाके में अमेरिकी मिलिट्री की तैनाती में इज़ाफ़ा हुआ है। तैनाती के तहत अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा एयरक्राफ्ट कैरियर, क्वे से



कम आठ वॉरशिप और एफ-35 एयरक्राफ्ट को यहां पर भेज दिया है। फ्लाइटरडार के अनुसार लैटम एयरलाइंस की रविवार को बोगोटा के लिए तय फ्लाइट भी कैसिल कर दी गई है। एरोनॉटिका सिविल डे

कोलंबिया ने एक बयान में कहा कि सुरक्षा स्थिति की हालत बिगड़ने और इलाके में मिलिट्री एक्टिविटी बढ़ने की वजह से कैरिबिया इलाके में उड़ान भरने में संभावित खतरा है। एयर पुर्तगाल

ने इस बात की पुष्टि की है कि उसने शनिवार और अगले मंगलवार के लिए नव अपनी फ्लाइट्स कैसिल कर दी हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, यह फैसला दुनाइट्रेड स्टेट्स एविएशन अथॉरिटीज की तरफ से दी गई जानकारी के बाद लिया गया है, जिससे पता चलता है कि वेनेजुएला के एयरस्पेस में सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है स्पेन की आइबेरिया ने भी कहा कि वह सोमवार से अगली जानकारी तक काराकास के लिए अपनी फ्लाइट्स कैसिल कर रही है। स्पेनिश कंपनी की शनिवार को वेनेजुएला की राजधानी से मैड्रिड के लिए तय फ्लाइट निकल गई। प्रवक्ता ने अनुसार, फ्लाइट्स फिर से कब शुरू करनी हैं, यह तय करने के

लिए पहले स्थिति को देखा जाएगा।

कोपा एयरलाइंस और विंगो ने शनिवार को मैक्वेंटिया से अपनी फ्लाइट्स जारी रखीं।

अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि ट्रंप प्रशासन अपने वाले दिनों में वेनेजुएला से जुड़े ऑपरेशन का एक नया चरण शुरू करने वाला है। हालांकि, देशों के बीच जंग का कोई खुल पैलान नहीं हुआ है। दो अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ नए एक्शन में शायद सॉफ्ट ऑपरेशन भी शामिल होंगे। जिन विकल्पों पर विचार हो रहा है उनमें वेनेजुएल के लीडर को हटाना भी शामिल है।